दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

# प्रभात परिक्रमा

वर्षः 30 | अंकः 240 | भोपाल, रविवार 14 सितंबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

**आवश्यकता है**

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

## न्यूज. ब्रीफ

### भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना जरूरी : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

वाराणसी। बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने वाराणसी में कहा कि अगर भारत को पड़ोसी देशों जैसी स्थिति से बचाना है, तब देश के अंदर सामाजिक समरसता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि वैमनस्य (दुश्मनी) को दूर करना और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने 7 से 16 नवंबर तक सामाजिक समरसता और हिंदू राष्ट्र के उद्देश्य से एक पदयात्रा करने की घोषणा की। इस यात्रा के लिए उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रार्थना भी की। शास्त्री ने कहा कि भारत पहले से ही एक अघोषित हिंदू राष्ट्र है, लेकिन इसे लोगों के विचारों और दिलों में भी हिंदू राष्ट्र बनाना जरूरी है। खबर में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के वाराणसी और अयोध्या दौरे का भी ज़िक्र है। उनके इस दौरे को भारत और मॉरीशस के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को मजबूत करने वाला बताया गया है। प्रधानमंत्री रामगुलाम के मंदिर दौरे के बाद पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत किया है।

### आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नई दिल्ली। चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल किया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से देशभर में संसदीय, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले समयबद्ध तरीके से एसआईआर कराने के निर्देश वाली जनहित याचिका खारिज करने का आग्रह किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में आयोग ने कहा कि देशभर में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर कराने का निर्णय करना निर्वाचन आयोग का संविधान प्रदत्त विशेषाधिकार है। लिहाजा अदालत इस तरीके से एसआईआर का निर्देश नहीं दे सकतीं। अगर अदालत ऐसा निर्देश देती है, तब ये निर्वाचन आयोग के संवैधानिक क्षेत्राधिकार में अतिक्रमण के समान होगा। निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका को सिरे से खारिज करने का आग्रह किया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता वकील उपाध्याय ने कहा था कि यह बिहार वोटर लिस्ट से जुड़ा मामला है।

### सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा: 28 लोगों पर एफआईआर

नोएडा अथॉरिटी ने गौतमबुद्ध नगर जिले के शाहपुर गोवर्धनपुर गाँव में अपनी अधिसूचित जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 28 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नोएडा अथॉरिटी के अधिकारी, हरेंद्र मलिक, ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि शाहपुर गोवर्धनपुर खादर गाँव में कुछ लोग लगातार सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण कर रहे हैं। अथॉरिटी द्वारा चेतावनी दिए जाने के बावजूद, अतिक्रमण जारी था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच की, जिसमें 28 लोगों के नाम सामने आए। इसमें से ज्यादातर लोग शाहपुर गाँव के ही निवासी हैं।

**मुख्यमंत्री ने इंदौर में जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ के अधिवेशन में की सहभागिता**

# समाज को अनुशासित करने में संत महात्माओं और मुनियों की महती भूमिका

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज को अनुशासित रखने में संत महात्माओं और मुनियों की महती भूमिका रही है। धर्म गुरुओं के संदेश, उपदेशों से भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ के 14 वें अधिवेशन एवं श्रीसंघ मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेश में सेवा पखवाड़ा अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान सभी जिलों में विभिन्न गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने सभी से अभियान में सहभागिता का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्योग विकास, निवेश और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। गौमाताओं, गौशालाओं का संरक्षण, दुग्ध संघ के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में बेहतर कार्य हुए हैं। इन सब प्रयासों से प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहा है। संघ मिलन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य विश्वरत्न सागर का शुभाशीष प्राप्त किया। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंगल कलश और शुभ अक्षतों की वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दो दिवसीय समारोह में अन्य राज्यों व जिलों से धर्मावलंबी शामिल हुए। इस दौरान आचार्य विश्वरत्न सागर ने आशीष वचनों से उपस्थितजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मुखिया अपने सरल, सहज और समन्वय भाव से प्रदेश को विकास की ओर ले जा रहे हैं। नए उद्योग और रोजगार, धार्मिक न्यास को लेकर प्रदेश में जो कार्य हुए है वे अतुल्यनीय है। सरकार ने जन हितैषी कार्यों बढ़ावा दिया है। समारोह में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, मधु वर्मा, रमेश मेंदोला, श्वेतांबर मालवा महासंघ के पदाधिकारी, सदस्य, एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

**सज गया मां का दरबार**

# वैष्णो देवी यात्रा कल से शुरू होगी

## 18 दिन में एक हजार करोड़ का नुकसान

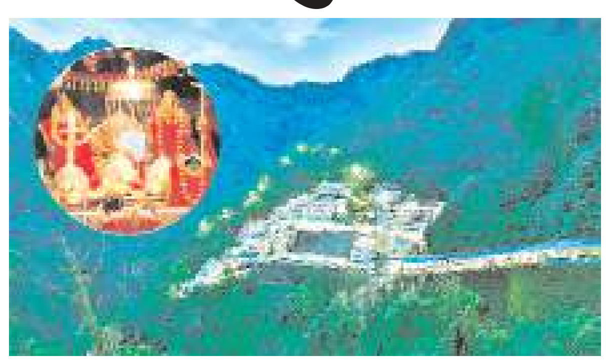

**जम्मू।** 18 दिन के लंबे इंतजार के बाद वैष्णो देवी की यात्रा रविवार से फिर शुरू हो रही है। इससे कटरा, भवन और यात्रा मार्ग पर छाया सन्नाटा टूटने के साथ ही फिर श्रद्धालु मां वैष्णों देवी के दर्शन कर सकेंगे। यात्रा शुरू होने की सूचना मिलते ही श्रद्धालु उत्साहित हो गए। यात्रा मार्ग पर काम करने वाले घोड़ा, पिट्ठू वालों से लेकर कटरा और जम्मू के व्यापारियों के चेहरे भी खिल गए हैं। इस बीच वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा मार्गों की साफ-सफाई तेज कर दी है। बोर्ड ने कहा है कि यात्रा संबंधी जानकारी के लिए श्रद्धालु वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं। बता दें यात्रा मार्ग पर 26 अगस्त को आदकुंवारी क्षेत्र के पास भारी भूस्खलन होने से 34 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसके बाद लगातार बारिश और यात्रा मार्ग की स्थिति को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने यात्रा स्थगित कर दी थी। इसपर देशभर से आए श्रद्धालु लौट गए थे। कई श्रद्धालु अभी भी कटरा में यात्रा शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। यह पहली बार है जब भूस्खलन के कारण इतने लंबे समय तक यात्रा रोकी गई। 2005 व 2014 में भूस्खलन से यात्रा चार से पांच दिन बंद रही थी। वहीं कोरोना काल में यात्रा छह माह बंद रही थी। वहीं, भूस्खलन से प्रभावित हुए अर्धकुंवारी क्षेत्र की मरम्मत कर श्रद्धालुओं के चलने लायक बना दिया गया है। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन दल व बोर्ड के कर्मियों को तैनात किया गया है। यात्रा शुरू होने की जानकारी मिलते ही दुकानें खुलना शुरू हो गई हैं। कटरा का व्यापार यात्रा पर ही निर्भर है, ऐसे में यात्रियों के न आने से कारोबार 18 दिन से बंद था। व्यापारियों का दावा है कि इन 18 दिन में कटरा में व्यापार, ट्रांसपोर्ट व होटल इंडस्ट्री को 800 से 1000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, जम्मू के कारोबार के लिए भी यात्रा विशेष महत्व रखती है। कटरा आने वाले श्रद्धालु जम्मू में भी आकर खरीदारी करते हैं।

# मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ाए दो विदेशी नागरिक

## एक नेपाल तो दूसरा बांग्लादेश का है निवासी

**मुंबई।** छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस ने दो विदेशी नागरिकों को फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ा है। ये गिरफ्तारियां अवैध यात्रा के साथ-साथ एक बड़े फर्जी दस्तावेजों के रैकेट का पदार्फाश करने वाली है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेपाली नागरिक कृष्णा मार्पण तमंग (29) और बांग्लादेशी नागरिक निरंजन नाथ सुबल चंद्रनाथ (67) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दोनों ने कोलकाता में नकली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे। इन फर्जी पासपोर्टों से वह कई विदेशी यात्राएं भी कर चुके हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि पासपोर्ट बनवाने के लिए फर्जी आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्रों का सहारा लिया गया था। जानकारी के मुताबिक घटना की जानकारी देते हुए सहार पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि निरंजन नाथ ओमान की राजधानी मस्कत से मुंबई लौट रहा था। इमीग्रेशन काउंटर पर उसके दस्तावेजों की जांच की गई। इसमें कई संदिग्ध बातें सामने आईं, जैसे पासपोर्ट की डिटेल्स में विसंगतियां और गलत जानकारी। पूछताछ में निरंजन ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। उसने बताया कि पासपोर्ट फर्जी है और कोलकाता से ही बनवाया था। वहीं नेपाल के कृष्णा मार्पण तमंग विदेश जाने की तैयारी में था। चेक-इन काउंटर पर पहुंचते ही उसके दस्तावेजों की जांच हुई और फजीर्वाड़ा पकड़ में आया। वह भी कोलकाता से बने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल कर रहा था।

# भारत पर टैरिफ तो रूस पर और सख्ती दिखाने जी7 की बैठक का बड़ा संदेश

**नई दिल्ली।** ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) देशों के वित्त मंत्रियों ने शुक्रवार को वर्चुअल बैठक कर रूस पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने पर चर्चा की। बैठक में खास तौर पर उन देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात भी उठी, जिन्हें रूस का अप्रत्यक्ष मददगार माना जा रहा है, इनमें भारत और चीन मुख्य रूप से शामिल हैं। कनाडा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मकसद रूस पर दबाव बढ़ाना और यूक्रेन की रक्षा को मजबूत करना है। बैठक में रूसी संपत्तियों को फ्रीज कर उनका इस्तेमाल यूक्रेन की सुरक्षा के लिए करने पर तेजी से कदम उठाने पर सहमति बनी। साथ ही रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने के लिए नए आर्थिक प्रतिबंध और टैरिफ जैसे विकल्पों पर चर्चा हुई। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और यूएस ट्रेड प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने अपील की कि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भी टैरिफ लगाया जाए।

### भारत पर 50 फीसदी टैरिफ

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इससे कुल टैरिफ दर 50 फीसद तक पहुंच गई। इसका मकसद नई दिल्ली पर दबाव डालना है ताकि वह रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना बंद करे। इस कदम से भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं में तनाव गहराया है।

### चीन पर नरमी

चीन पर फिलहाल अतिरिक्त टैरिफ नहीं लगाया गया है। वजह है बीजिंग और वॉशिंगटन के बीच चल रहा नाजुक व्यापार युद्धविराम। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट अब मैड्रिड पहुंचेंगे, जहां उनकी मुलाकात चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग से होगी। बैठक में व्यापार, मनी लॉन्ड्रिंग और टिक-टॉक की अमेरिकी यूनिट बेचने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

### ट्रंप का सख्त रुख

एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, कि पुतिन के प्रति उनका धैर्य अब टूट रहा है। हालांकि उन्होंने नए प्रतिबंधों का सीधा ऐलान नहीं किया, लेकिन संकेत दिया कि बैंकिंग और तेल क्षेत्र पर बहुत सख्ती संभव है। उन्होंने यह भी साफ किया कि यूरोपीय देशों को इसमें बराबरी से भाग लेना होगा।

# मैं कह सकता हूं कि उम्मीद और विश्वास की नई सुबह मणिपुर में दे रही दस्तक

## पीएम मोदी चुराचांदपुर में कार्यक्रम के बाद इंफाल रवाना हुए

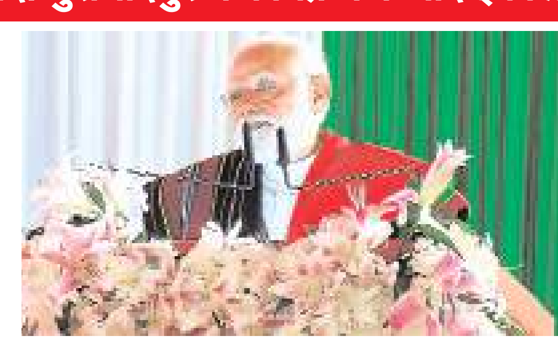

**इंफाल/चुराचांदपुर।** मणिपुर में पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड से जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी का राज्य में मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद यह पहला दौरा है। पीएम मोदी मणिपुर में पहले चुराचांदपुर गए। कुकी बहुल यह इलाका हिंसा में सबसे ज्यादा प्रभावित था। उन्होंने यहां बुजुर्गों और बच्चों से बातचीत की। उनके साथ राज्यपाल अजय कुमार भल्ला भी मौजूद थे। इसी दौरान पीएम ने 14 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 7,300 करोड़ रुपए है। इनमें ड्रेनेज सिस्टम, महिला छात्रावास, स्कूल और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। पीएम मोदी चुराचांदपुर में कार्यक्रम के बाद इंफाल रवाना हुए। इंफाल मैतेई बहुल इलाका है। 2023 में हिंसा के बाद कुकी का इंफाल और मैतेई का चुराचांदपुर में आना-जाना बंद है। पीएम मोदी 1988 में राजीव गांधी के बाद चुराचांदपुर जाने वाले पहले पीएम हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में उम्मीद और विश्वास की नई सुबह दस्तक दे रही है। मणिपुर आशा और उम्मीद की भूमि है। दुर्भाग्य से, हिंसा से इस शानदार इलाके को अपनी चपेट में ले लिया था। कुछ समय पहले, मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला था। उनसे मिलने के बाद मैं कह सकता हूं कि उम्मीद और विश्वास की नई सुबह मणिपुर में दस्तक दे रही है। उन्होंने मणिपुर के सभी संगठनों से अपील है कि शांति का रास्ता अपनाए, अपने बच्चों का भविष्य तय करें। मैं वादा करता हूं, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है। मणिपुर के लोगों के साथ है। हम यहां के लोगों की जिंदगी को वापस पटरी पर लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। बेघरों के लिए 7000 घर बनाए गए हैं। 3000 हजार करोड़ का विशेष पैकेज बनाया है। आदिवासी युवाओं की रोजगार की चिंता को दूर करने के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि बीते 11 सालों में नॉर्थ ईस्ट में अनेक संघर्ष खत्म हुए हैं। लोगों ने शांति का रास्ता चुना, विकास कार्य हुए हैं। ये भारत सरकार के उन प्रयासों का हिस्सा है, जो संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति के लिए किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लिए बजट बढ़ाया गया है।

# पटना पहुंचे नड्डा का हुआ जोरदार स्वागत, बिहार में चुनावी सरगर्मी हुई तेज

## विपक्ष पर साधा निशाना और बोले- नाच ना आवे आंगन टेढ़ा

**पटना।** बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आते जा रहे हैं वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। इसी बीच शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे। पार्टी कार्यकताओं व अनेक नेताओं ने पटना एयरपोर्ट पर नड्डा का जोरदार स्वागत किया। पार्टी अध्यक्ष का यह दौरा संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को धार देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने पटना पहुंच कर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। नड्डा ने एक कॉन्क्लेव में कहा, कि विपक्ष ने देश की सियासत को निचले स्तर पर ला दिया है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री की मां के लिए अपशब्द कहे गए। उन्होंने आगे कहा, कि, आज कुछ लोगों के स्वार्थी प्रयासों और गलत नेतृत्व की वजह से देश को अंधकार में धकेल दिया गया है। चुनाव में हार के बाद विपक्ष का लगातार चुनाव आयोग पर हमलावर रहने को लेकर नड्डा ने नाच न आवे आंगन टेड़ा वाली कहावत कह निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस द्वारा जारी एक एआई वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, कि नाच ना आवे आंगन टेढ़ा। चुनाव लड़ना न आए, जनता का आशीर्वाद न मिले तो इलेक्शन कमीशन को दोषी ठहरा दो। बीजेपी अध्यक्ष ने बिहार में विपक्षी नेताओं की शैक्षिक योग्यता पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कोई 8वीं पास है, तो कोई 9वीं पास। ऐसे नेताओं के हाथों में बिहार का भविष्य कैसे सुरक्षित होगा? उन्होंने 2003 से पहले बिहार में होने वाले ह्यतेल पिलावनह्ण और ह्यलाठियाभाजह्ण जैसे आयोजनों को याद कर विपक्ष पर जंगलराज का तंज भी कसा। गौरतलब है कि बिहार में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चली हैं, इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को पटना पहुंचे हैं। नड्डा का यह दौरा संगठन और चुनावी रणनीति को धार देने के लिए अहम मायने रखता है।

### पीएम मोदी भी करेंगे दौरा और देंगे सौगात

यहां बताते चलें कि भाजपा अध्यक्ष नड्डा के इस दौरे के बाद 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी बिहार दौरा संभावित है। इस दौरान पीएम मोदी बिहार को अनेक परियाजनों की सौगात दे सकते हैं। इसी के साथ पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन कर एक बड़ी सौगात बिहार वासियों को पीएम मोदी दे सकते हैं।

# पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भागा

**पीलीभीत।** उत्तर प्रदेश के पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में अस्पताल परिसर में एक आवारा कुत्ता मृत नवजात के शव को उठाकर भाग गया। खाग सराय गांव के अजय की पत्नी रेशमा (25) को प्रसव पीड़ा के चलते महिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। शल्य चिकित्सा के बीच प्रसूता ने बच्चे को जन्म दिया। चिकित्सकों के अनुसार पैदा हुआ नवजात मृत अवस्था में होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को उसका शव सौंप दिया। गुरुवार की रात नौ बजे करीब परिजन बच्चे का शव लेकर अस्पताल के बाहर स्थित पार्क की बेंच पर बैठे थे। इस बीच एक आवारा कुत्ता बेंच पर रखे नवजात के शव को मुंह में दबाकर भाग गया। परिजन और उपस्थित लोग कुत्ते का पीछा करने लगे। लगभग 100 मीटर दूर कुत्ता शव को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया। महिला चिकित्सालय अधीक्षक ने घटना की पुष्टि कर बताया घटना के लिए चिकित्सालय कर्मी या अधिकारी दोषी नहीं है। उन्होंने कहा कि नवजात का शव प्रसूता की मां चमेली देवी को विधिवत सौंपा गया था। परिजन शिशु को बाहर पार्क में गए थे। यह घटना उनकी लापरवाही से हुई है। इसके लिए अस्पताल के स्टाफ को दोषी नहीं मान सकते है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य संगीता अनेजा ने घटना पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

# पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना शहीद परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा

## पहलगाम हमले में मारे गिए व्यक्ति की पत्नी ने किया मैच का बहिष्कार

**नई दिल्ली।** जम्मू के पहलगाम आतंकी हमले में मारे गिए एक व्यक्ति की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी ने रविवार को होने वाले भारत-पाकिस्तान एशिया कप में मैच का विरोध किया है और सभी से मैच का बहिष्कार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों के बलिदान की अनदेखी की जा रही है और भारत का आतंकी राष्ट्र के साथ क्रिकेट खेलना शहीद परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐशान्या ने कहा कि बीसीसीआई को यह मैच स्वीकार नहीं करना चाहिए था। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रवादी कहे जाते हैं, लेकिन किसी ने भी आगे आकर पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना नहीं किया। यह उनकी नैतिक जिम्मेदारी थी कि देश के लिए खड़े हों, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मैच से मिलने वाला राजस्व किस काम आएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उस पैसे का इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद के लिए करेगा। स्पॉन्सर और ब्रॉडकास्टर भी सोचें कि क्या उनकी राष्ट्रीयता उन 26 परिवारों तक सीमित नहीं है? भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर विपक्षी दलों ने भी केंद्र सरकार और बीसीसीआई पर निशाना साधा। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने पूछा कि क्या खून और क्रिकेट साथ-साथ बह सकते हैं? महाराष्ट्र कांग्रेस ने कहा कि यह शहीदों और उनके परिवारों का अपमान है। शरद पवार की एनसीपी (एसपी) ने आरोप लगाया कि सरकार ने मैच को अनुमति देकर अपने दोहरे मानदंड उजागर कर दिए हैं।

प्रभात परिक्रमा

भोपाल, रविवार 14 सितंबर 2025

## संपादकीय

# नेपाल में जेन-जी ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे। सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया। हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है? बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

**हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।**

# नेपाल का विद्रोह और भारत-नेपाल संबंधों में गोरक्षपीठ की भूमिका

(प्रणय विक्रम सिंह)

भगवान पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि नेपाल इस समय विद्रोह की उफनती लहरों में डगमगा रहा है। जेन जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊबकर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है। परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अश्वर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

**गोरक्षपीठ और नेपाल -संस्कृति का संबल, आस्था का सेतु:** नेपाल के इतिहास में गोरक्षपीठ की भूमिका केवल एक मठ की मर्यादा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सांस्कृतिक संबल और आध्यात्मिक सेतु के रूप में युगों-युगों तक गूंजती रही। हिमालय की गोद में जब 18वीं शताब्दी में गोरखनाथ की साधना का आलोक फैला, तब गोरखा राज्य को केवल नाम ही नहीं, बल्कि आत्मा भी मिली। पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एकसूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना। इस प्रकार गोरक्षनाथ परंपरा नेपाल की राजनीतिक चेतना की धड़कन बन गई।

20वीं शताब्दी में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने इस परंपरा को नया प्राण और नया पथ दिया। पावन गोरक्षपीठ ने संतों को संगठित कर यह स्पष्ट किया कि भारत-नेपाल का संबंध न तो केवल सीमा का संबंध है और न ही केवल व्यापार का बंधन। यह तो आस्था की अटूट डोर और संस्कृति की सनातन संगीतमाला है।

1980-90 के दशक में जब नेपाल वामपंथी विचारधारा और राजनीतिक अस्थिरता की आंधी से जूझ रहा था, तब गोरक्षपीठ ने दीपक की तरह मार्ग दिखाया। महंत अवेद्यनाथ जी ने यह संदेश दिया कि भारतङ्कनेपाल का संबंध केवल सत्ता की संधियों पर नहीं, बल्कि सदियों की साधना और साझी संस्कृति पर टिका है।

आधुनिक युग में गोरक्षपीठ का ध्वज योगी आदित्यनाथ ने संभाला है। उनकी जनकपुरधाम यात्रा वैदिक वाणी का उद्घोष बनी, पशुपतिनाथ मंदिर की पूजा आस्था का आलोक बनी, और लुंबिनी की बुद्ध जयंती सहभागिता हिन्दू-बौद्ध संवाद का संगम बनी। आज गोरक्षपीठ केवल एक धार्मिक पीठ नहीं, बल्कि आधुनिक सांस्कृतिक कूटनीति का उज्ज्वल प्रतीक है।

गोरक्षपीठ ने नेपाल में कभी प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया, किंतु हर संकटकाल में यह दीपशिखा बनकर दिशा दिखाता रहा। यह वही शक्ति है जो सीमाओं से परे, सत्ता से ऊपर और संधियों से आगे जाकर भारत-नेपाल संबंधों को स्थायित्व और आत्मीयता देती है। यही कारण है कि नेपाल का जनमानस गोरक्षपीठ को केवल मठ नहीं मानता, बल्कि विश्वास का आधार, संस्कृति का संरक्षक और सनातन सेतु मानता है। एक ऐसा सेतु, जो हिमालय की चोटियों से लेकर गंगा-यमुना की धाराओं तक दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में बांधे रखता है।

**मौजूदा विद्रोही परिस्थिति में गोरक्षपीठ की भूमिका:** नेपाल की मौजूदा विद्रोही परिस्थितियां केवल सत्ता के संकट का परिणाम नहीं हैं, बल्कि समाज की गहरी बेचैनी, असमानता और अवसरहीनता का विस्फोट हैं। ऐसे समय में गोरक्षपीठ की भूमिका साधारण धार्मिक केंद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह सांस्कृतिक मार्गदर्शक और सामाजिक सहारा बन सकती है। सबसे पहले, सांस्कृतिक स्मृति जगाना आवश्यक है। जनता को यह स्मरण कराना होगा कि राजनीतिक अस्थिरता अस्थायी है, लेकिन भारत-नेपाल की साझा परंपराएं शाश्वत हैं। हिमालय की गोद से लेकर गंगा की धारा तक बहती हुई यह सांस्कृतिक चेतना दोनों देशों की आत्माओं को जोड़े रखती है। जब युवाओं का आक्रोश व्यवस्था पर टूट पड़ता है, तब गोरक्षपीठ यह संदेश दे सकता है कि परिवर्तन केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि परंपरा की जड़ों से जुड़कर ही स्थायी हो सकता है।

दूसरे, गोरक्षपीठ एक विश्वास का सेतु बन सकता है। आज जब राजनीतिक दल आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं, तब जनता को किसी ऐसे मंच की आवश्यकता है, जो न तो सत्ता की लालसा से प्रेरित हो और न ही दलगत स्वार्थ से। गोरक्षपीठ अपने संतत्व और निष्पक्षता के कारण ऐसा मंच बन सकता है, जो संवाद, सहयोग और भरोसे का प्रतीक बने। यह संस्था नेपाल की जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि भारत केवल एक राजनीतिक ताकत नहीं, बल्कि एक आत्मीय पड़ोसी, सहयात्री और सांस्कृतिक सहोदर है।

तीसरे, धार्मिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से गोरक्षपीठ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि गोरखनाथ-पशुपतिनाथ-जनकपुर - लुंबिनी जैसी ध्रुवीय स्थलों को एक साझा सांस्कृतिक-धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाए, तो इससे न केवल नेपाल की डगमगाती अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि भारत-नेपाल के बीच जन-से-जन संपर्क और भी गहरा होगा। साल 2023 में ही नेपाल में 319,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे और 2024 की पहली छमाही में यह संख्या 1.8 लाख से अधिक रही। यह आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। पर्यटन से जुड़ी आय, रोजगार और सांस्कृतिक आयोजनों से जनता का मनोबल बढ़ेगा और अस्थिरता के बीच स्थिरता का अहसास होगा।

और सबसे महत्वपूर्ण यह कि गोरक्षपीठ की पहुंच केवल राजाओं, राजनेताओं या संतों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि आमजन के मन में भी उसकी गहरी जड़ें हैं। नेपाल के गांव-गांव और तराई के कस्बों तक में गोरखनाथ का नाम श्रद्धा और विश्वास के साथ लिया जाता है। किसान इसे अपने परिश्रम का संरक्षक मानते हैं, व्यापारी इसे अपने सौदे की सफलता का आशीर्वाद समझते हैं, और युवा इसे संघर्ष और संकल्प का प्रतीक मानते हैं। यही कारण है कि गोरक्षपीठ की पुकार जनता के हृदय तक सीधे पहुंचती है और कठिन समय में आश्वस्ति का आधार बन जाती है। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि नेपाल की आत्मा केवल सत्ता या संविधान से नहीं, बल्कि गुरु परंपरा से जुड़ी है। गोरखनाथ की साधना और पशुपतिनाथ की कृपा ही वह धारा है, जो हर संकट में नेपाल समाज को संभालती रही है। जब राजनीति डगमगाती है, तब जनता गोरक्षपीठ की ओर आश्वस्ति से देखती है। क्योंकि वहां से संदेश सत्ता का नहीं, बल्कि संस्कृति का आता है।

**भारत की कूटनीति में गोरक्षपीठ का महत्व:** भारत-नेपाल संबंध अतीत में कई बार वामपंथी राजनीति, क्षेत्रीय राष्ट्रवाद और बाहरी दबावों से प्रभावित हुए हैं। कभी तेल और दाल-चावल की आपूर्ति रोकने का आरोप लगा, तो कभी चीन ने निवेश और कूटनीति के जरिए नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ाया। ऐसे समय में गोरक्षपीठ एक ऐसा संदेश देता है, जो इन सब राजनीतिक उलझनों से ऊपर है। यह रिश्ता केवल सत्ता या आर्थिक गणित का नहीं, बल्कि संस्कृति, धर्म और आस्था का है। भारत की औपचारिक कूटनीति जब संधियों, समझौतों और वार्ताओं तक सीमित रहती है, तब गोरक्षपीठ सांस्कृतिक कूटनीति का जीवंत उदाहरण बनता है। यह वह शक्ति है, जो नेपाल की जनता के दिल तक पहुंचती है। पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि में गोरक्षपीठ यह विश्वास जगाता है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि भाईचारे और साझी परंपराओं का है। यदि भारत अपनी राजनीतिक कूटनीति को गोरक्षपीठ की सांस्कृतिक शक्ति के साथ जोड़ता है, तो उसे वह गहराई और आत्मीयता प्राप्त होगी, जो चीन जैसे बाहरी शक्तियों के आर्थिक निवेश से संभव नहीं। हाल ही में भारत-नेपाल के बीच हुआ 10,000 मेगावॉट विद्युत व्यापार समझौता इस कूटनीतिक और आर्थिक साझेदारी की मिसाल है, किंतु गोरक्षपीठ इसे सांस्कृतिक आधार देकर स्थायी बना सकता है। गोरक्षपीठ नेपाल की जनता को यह अहसास दिला सकता है कि भारत केवल एक राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है, जो संकट की घड़ी में सांस्कृतिक आत्मीयता और आध्यात्मिक विश्वास के साथ खड़ा है।

संक्षेप में, मौजूदा विद्रोह और अस्थिरता के बीच गोरक्षपीठ की भूमिका संवाद, स्मृति और स्थिरता की है।

यही भूमिका भारत-नेपाल संबंधों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव से ऊपर उठाकर एक स्थायी, आत्मीय और सांस्कृतिक साझेदारी में बदल सकती है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ डॉ. रहीस सिंह कहते हैं कि भारत-नेपाल संबंधों का आधार केवल व्यापार नहीं, बल्कि उन साझा संवृत्तियों की जीवंतता है, जिनकी जड़ें संस्कृति, सनातन आस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित हैं। गोरक्षपीठ इन भावनाओं का संस्थागत रूप है, जो दोनों देशों को स्थायी और आत्मीय बंधन में जोड़ती है। चीन अरबों डॉलर का निवेश कर सकता है, किंतु वह भावनात्मक मानवीय कनेक्ट नहीं दे सकता, जो भारत सदियों से नहीं बल्कि सहस्राब्दियों से देता आ रहा है।

## हिंदी दिवस -14 सितंबर पर विशेष..

# हिंदी हैं हमः 2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

भाषा संवाद संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। मनुष्य को इसलिए भी परमात्मा की श्रेष्ठ कृति कहा जाता है कि वह भाषा का उपयोग कर अपने भावों को अभिव्यक्त करने में सक्षम है। यही विशेषता है, जो मनुष्य को अन्य प्राणियों से भिन्न करती है। हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यतः हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा-सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं। यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग-अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है।

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है। भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से 'हिंदी' को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे-जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग-अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार-पत्रों में 'हिंदी पत्रकारिता' का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फ हिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिशचंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं?

यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें 'एचएमटी' यानी 'हिंदी मीडियम टाइप' या 'वर्नाकुलर पर्सन' कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे।

हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी। यह नौजवानी आज कई क्षेत्रों में सक्रिय दिखती है। खासकर सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में। जिन्होंने इस भ्रम को तोड़ दिया, कि सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में बिना अंग्रेजी के गुजारा नहीं है। ये लोग ही हमें भरोसा जगा रहे हैं। ये भारत को भी जगा रहे हैं। आज भरोसा जगाते ऐसे कई दृश्य हैं, जिनके श्रीमुख और कलम से व्यक्त होती हिंदी देश की ताकत है।

# वसुधैव कुटुम्बकम् की जीवंत प्रतिमूर्ति और समाज को सदैव सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं भागवत

**भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।**

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे।

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे। पिछले एक दशक तक भाजपा जिस तरह मोदी के चेहरे और संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीत दर्ज करती रही थी, उसमें 2024 का चुनाव परिणाम झटका देने वाला था। देखा जाये तो मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल गठबंधन सरकार की मजबूरी के साथ शुरू हुआ। ऐसे माहौल में संघ का सहारा भाजपा के लिए स्वाभाविक था। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनी थी कि भाजपा ने चुनावी रणनीति और प्रचार की ताकत से संघ पर निर्भरता कम कर दी है। लेकिन 2024 के चुनाव के बाद तस्वीर बदल गई। संघ के सक्रिय सहयोग और भागवत के आशीर्वाद से भाजपा ने महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में जीत हासिल की। इन चुनाव परिणामों ने यह संदेश दिया कि संघ के संगठनात्मक नेटवर्क, जमीनी कार्यकर्ताओं और सामाजिक पहुंच के बिना भाजपा की जीत अधूरी है।

मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी की हाल की नजदीकियों को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। प्रधानमंत्री का संघ प्रमुख की खुलकर तारीफ करना और उनके मार्गदर्शन को राष्ट्रहित से जोड़ना यह बताता है कि भाजपा अब फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। वहीं, भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना यह संकेत देता है कि संघ भी इस समय भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन बनाने और उसे स्थिरता प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम कई संकेत देता है। जैसे केवल मोदी के नेतृत्व और भाजपा की चुनावी मशीनरी से जीत अब सुनिश्चित नहीं है। चुनावी राजनीति में विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक नेटवर्क की गहराई का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा और संघ दोनों को अब यह अहसास है कि एक-दूसरे के बिना उनकी शक्ति अधूरी है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा को संघ की जमीनी ताकत और वैचारिक छवि दोनों की आवश्यकता होगी।

देखा जाये तो भाजपा की 2024 की असफलता और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियों ने साफ कर दिया है कि सत्ता की डगर पर अकेले चलने का दावा अब टिकाऊ नहीं है। संघ की शरण में लौटकर भाजपा ने एक तरह से अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का फैसला किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा की जीतें यह संदेश देती हैं कि जब संघ-भाजपा एक साथ चलते हैं, तब उनकी राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाती है।

आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि संघ इस साझेदारी को किस तरह संतुलित करता है और भाजपा किस हद तक अपनी राजनीतिक रणनीतियों में संघ की सलाह और आशीर्वाद को स्थान देती है। इतना तो निश्चित है कि आज की तारीख में भाजपा की राजनीति फिर से उसी पुराने सूत्र पर लौट आई हैङ्क संघ ही शक्ति का आधार है।

जहां तक मोहन भागवत के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे गये आलेख की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने लिखा है कि 11 सितम्बर का दिन इतिहास में विशेष महत्व रखता है। यह वही तिथि है जब 1893 में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने ओजस्वी शब्दों सिस्टर एण्ड ब्रदर आफ अमेरिका ङ्क से भारत की आध्यात्मिक धारा और सार्वभौमिक भाईचारे की अवधारणा को विश्वपटल पर स्थापित किया। यही दिन 2001 में आतंकवाद की विभीषिका का साक्षी भी बना, जब मानवता पर 9/11 का हमला हुआ। एक ओर यह दिन वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता है, तो दूसरी ओर यह दिखाता है कि चरमपंथ और हिंसा किस प्रकार सभ्यता को चुनौती देते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि इसी तिथि पर एक और प्रसंग उल्लेखनीय है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का जन्मदिन है। जब संघ अपनी शताब्दी के वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उनका 75वाँ जन्मदिन हमें उनके योगदान और नेतृत्व की भूमिका पर विचार करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि मधुकरराव भागवत के सुपुत्र मोहन भागवत ने अपने जीवन का आरंभ उसी वातावरण में किया, जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा सहज ही मिलती थी। 1970 के दशक में प्रचारक बने मोहनराव ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में कार्य करते हुए उन्होंने समाज की गहराई को समझा और उसकी पीड़ा को अनुभव किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके नेतृत्व का आधार बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि भागवत जी का नेतृत्व केवल संघ के भीतर सीमित नहीं रहा। उन्होंने संगठनात्मक परम्पराओं को बनाए रखते हुए समय की मांग के अनुसार परिवर्तन किए। गणवेश में बदलाव हो या शिक्षा वर्गों में सुधार, उनका दृष्टिकोण हमेशा व्यावहारिक और भविष्यदृष्टा रहा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने युवाओं के साथ जीवंत संवाद बनाए रखा, जिससे संघ आज के डिजिटल युग में भी प्रासंगिक और सक्रिय बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कोविड-19 महामारी के समय उनका मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तकनीक का उपयोग बढ़ाने और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा देने की प्रेरणा दी।

इसी प्रकार उनके 'पंच परिवर्तन' ङ्क सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, राष्ट्रीय आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य ङ्क समाज को नई दिशा देने वाले स्पष्ट सूत्र हैं। यही वे आधार हैं जिन पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार हो सकती है।

# वन विहार नेट जीरो पॉल्यूशन वाला मप्र का पहला नेशनल पार्क

## ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लगाने की तैयारी, पेट्रोल-डीजल वाहन पर रहेगी पाबंदी

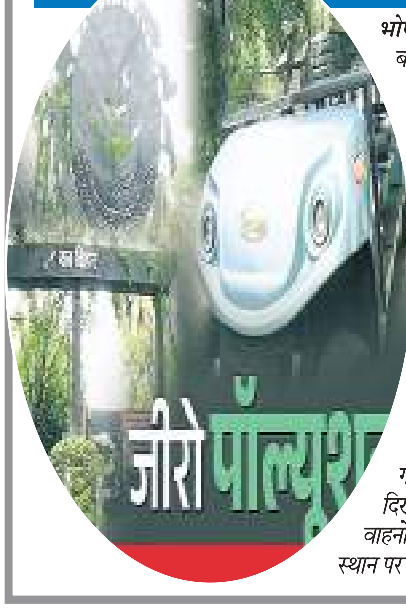


**भोपाल।** राजधानी भोपाल में स्थित वन विहार नेशनल पार्क नेट जीरो पॉल्युशन वाला प्रदेश का पहला नेशनल पार्क बनने जा रहा है। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हां कहते ही नेट जीरो पॉल्यूशन को लेकर काम शुरू कर दिया जाएगा। सबसे पहले नेशनल पार्क में निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके अलावा पर्यटकों को इलेक्ट्रिक वाहनों से वन विहार की सफारी कराई जाएगी। वन विहार के डायरेक्टर विजय कुमार ने बताया कि निजी वाहनों की तेज रफ्तार और हार्न की आवाज से जानवरों के व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ता है। जिससे उनके प्राकृतिक रहवास में भी व्यवधान आता है। वाहनों के शोर की वजह से वन्यजीवों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, जिससे वो तनावग्रस्त होते हैं और इसका असर उनकी प्रजनन क्षमता पर पड़ता है। इसलिए अब वन विहार में पेट्रोल-डीजल वाले निजी वाहनों में प्रतिबंध लगाया गया है। सिंगल यूज पॉलीथिन और प्लास्टिक प्रतिबंधित अधिकारियों ने बताया कि वन विहार में सिंगल यूज पॉलीथिन और प्लास्टिक की बोतल प्रतिबंधित है। पर्यटक यहां खाने-पीने का सामान नहीं ले जा सकते। यही कारण है कि वन विहार में प्लास्टिक कचरा दिखाई नहीं देता है। अब वन विहार में वन्य प्राणियों और परिसर में निकलने वाले कचरे का 100 प्रतिशत निष्पादन किया जाएगा। इसके लिए प्रारंभिक योजना तैयार की जा रही है।40 ई गोल्फ कार्ट का होगा संचालन वन विहार के अधिकारियों ने बताया कि वायु और ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए पेट्रोल-डीजल वाहनों को प्रतिबंधित किया जा रहा है।

इसकी जगह 40 ई गोल्फ कार्ट का संचालन किया जाएगा। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बाइक और साइकिल भी वन विहार की सफारी के लिए पर्यटकों को दी जाएगी। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गोल्फ कार्ट वन विहार में चलने को तैयार है। इसके शुभारंभ के लिए सीएम डॉ। मोहन यादन से समय मांगा गया है। संभवतः सितंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में ई गोल्फ कार्ट को सीएम डॉ। मोहन यादव हरी झंडी दिखा सकते हैं। हर 10 मिनट में मिलेगा गोल्फ कार्ट वन विहार की असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. रुही हक ने बताया कि विभाग वन विहार में पेट्रोल-वाहनों से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा रहा है। लेकिन इससे नेशनल पार्क में पर्यटकों की संख्या प्रभावित न हो और उन्हें मामूली शुल्क में सफारी कराई जा सके। इसके लिए गोल्फ कार्ट मंगवाई गई हैं। पर्यटकों को एक ही स्थान पर इंतजार न करना पड़े, इसके लिए गोल्फ कार्ट का संचालन ऐसे किया जाएगा, जिससे हर 10 मिनट में वन विहार के सभी बाड़ों के सामने गोल्फ कार्ट पहुंच सके।

### निजी वाहनों के लिए बनाई जा रही पार्किंग

डॉ. रुही हक ने बताया कि वन विहार में 4 पहिया वाहनों से आने वाले पर्यटकों के लिए गेट नंबर 2 पर पार्किंग बनाई जा रही है। जबकि दो पहिया वाहन चालकों के लिए 1 और 2 नंबर गेट पर पार्किंग स्थल बनाया जा रहा है। पर्यटकों को पार्किंग स्थल के सामने से ही नेशनल पार्क की सफारी के लिए गोल्फ कार्ट मिलेंगे।

### 60 रुपये प्रति व्यक्ति हो सकता है किराया

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार कि ई गोल्फ कोर्ट के संचालन और इसके किराए की दर को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। लेकिन अभी संभावना है कि ई गोल्फ कार्ट से वन विहार की सफारी करने के लिए प्रति व्यक्ति 60 रुपये किराया चुकाना होगा।

# मप्र में बच्चों की जनसंख्या में 42 फीसदी घटी....

- सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टेटिकल रिपोर्ट 2023 में खुलासा, 1971 से लगातार गिरावट का दौर जारी

*भोपाल।* मप्र में 14 वर्ष तक के बच्चों की संख्या में तेजी से गिरावट हो रही है। बीते 52 सालों में प्रदेश में बच्चों की जनसंख्या में 42 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि बच्चों की संख्या में यह गिरावट अचानक से नहीं है। मप्र में 0-9 साल तक के बच्चों की संख्या में गिरावट का दौर 1971 से चल रहा है। इसका खुलासा सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टेटिकल रिपोर्ट 2023 में हुआ है। एसआरएस की रिपोर्ट में बताया गया है कि मप्र में 0 से 14 साल के बच्चों की जनसंख्या में क्रमिक रूप से गिरावट आ रही है। साल 1971 में इस उम्र वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या की 42.2 प्रतिशत थी। वहीं साल 1981 में कुल जनसंख्या की 38.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। 1991 में 0 से 14 साल तक के बच्चों की जनसंख्या 36.3 प्रतिश थी, लेकिन साल 2023 में ऐसे बच्चों की संख्या 24.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यानि कि 1971 से 2023 के बीच में 0 से 9 साल तक के बच्चों की जनसंख्या में 42 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। **युवाओं और बुजुर्गों की संख्या में बढ़ोत्तरी-** एसआरएस 2023 की रिपोर्ट में भले ही मप्र में बच्चों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन युवाओं और बुजुर्गों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। 15 से 59 वर्ष के आर्थिक रूप से सक्रिय जनसंख्या का अनुपात साल 1971 में 53.4 प्रतिशत था, जो साल 1981 में बढकर 56.3 प्रतिशत हो गया। वहीं साल 1991 से 2023 के दौरान ऐसे आर्थिक रूप से सक्रिय जनसंख्या का प्रतिशत 57.7 से बढकर 66.1 हो गया है। वहीं 60 प्लस और 65 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

### बच्चों के मामले में मप्र तीसरे नंबर पर

प्रदेश में भले ही क्रमिक रूप से 0 से 14 वर्ष के बच्चों की संख्या में गिरावट हो रही है। इसके बावजूद मप्र बच्चों की संख्या के मामले में देश में उत्तर प्रदेश के साथ सयुंक्त रूप से तीसरे स्थान पर है। देश में सबसे अधिक बच्चों की संख्या बिहार में 11.3 प्रतिशत, दूसरे नंबर पर राजस्थान में 9.5 प्रतिशत और मप्र व उत्तर प्रदेश में बच्चों की जनसंख्या का प्रतिशत 9.2 है। वहीं मप्र के बाद तमिलनाडु में 5.7 प्रतिशत, पंजाब में 6 प्रतिशत और केरल में 0 से 14 वर्ष तक के बच्चों की संख्या का प्रतिशत 6.2 है।

### महिला-पुरुष दोनों की जनसंख्या में सुधार

यदि 15 से 59 साल तक के महिला और पुरुष की बात करें तो दोनों की जनसंख्या में सुधार देखा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों का प्रतिशत साल 2022 में 7.7 की तुलना में साल 2023 में बढकर 7.8 हो गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं का प्रतिशत साल 2022 में 8.2 था, जो साल 2023 में 9.0 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में 15 से 59 साल तक के पुरुषों की संख्या साल 2022 में 8 प्रतिशत की तुलना में साल 2023 में 8.5 प्रतिशत बढ़ गई है। जबकि इसी आयु वर्ग की महिलाओं की संख्या में साल 2022 की तुलना में 2023 में 8.6 की तुलना में 9.5 प्रतिशत हो गई है।

# खाद के लिए लाठीचार्ज पर एनएचआरसी ने मांगी रिपोर्ट

**किसानों पर बल प्रयोग और लाठीचार्ज की दो हफ्ते में रिपोर्ट देंगे चीफ सेक्रेट्री, डीजीपी**

**भोपाल।** प्रदेश में खाद की किल्लत और इसके लिए लाइन में लगे किसानों पर किए गए लाठीचार्ज और पुलिस बल प्रयोग के मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने एमपी समेत अन्य सभी राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने लाठीचार्ज की घटना की रिपोर्ट सीएस और डीजीपी के माध्यम से तलब की है। साथ ही किसानों को खाद की उपलब्धता के लिए समुचित प्रबंध करने के साथ केंद्रीय कृषि और उर्वरक मंत्रालयों समेत राज्य सरकार से दो सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। आयोग द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पीठ ने इस मामले को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 12 के अंतर्गत संज्ञान लिया है। इसके आधार पर एमपी समेत अन्य राज्यों से मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जानकारी तलब की गई है।

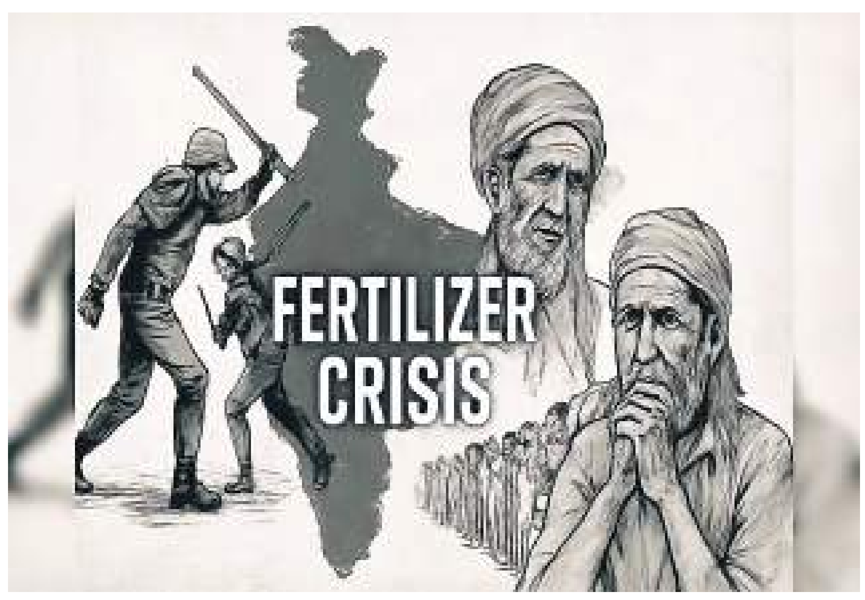


### आयोग ने दिए यह निर्देश

सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य सचिव, सभी जिलाधिकारी, संबंधित अधिकारी शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच करें। अपने-अपने राज्यों में किसानों के लिए यूरिया और डीएपी खाद का उचित और समय पर वितरण कराएं। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के महानिदेशक (पुलिस) यह सुनिश्चित करेंगे कि पुलिस अधिकारियों, प्रशासन द्वारा उन किसानों के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई (लाठीचार्ज, अपमानजनक व्यवहार) न की जाए, जो लंबी लाइन में खड़े हैं और डीएपी व यूरिया खाद के वितरण का इंतजार कर रहे हैं। अगर इस तरह की घटना हुई है तो उसकी रिपोर्ट भी आयोग ने मांगी है।

### इस आधार पर जारी किया नोटिस

आयोग ने जारी नोटिस में कहा है कि मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भारत को देश के सभी मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा और संवर्धन की जिम्मेदारी सौंपी है और क्क॥क्र अधिनियम 1993 की धारा 13 के तहत जांच के लिए एक सिविल न्यायालय के अधिकार भी दिए हैं। किसानों की हताशा, चिंता के कारण मांगी जानकारी आयोग ने मुख्य सचिव और डीजीपी को भेजे नोटिस में कहा है कि एक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि देशभर के कई राज्यों में खाद की भारी कमी है। जिस कारण खरीफ मौसम में फसलें उगने के समय भी खाद नहीं मिलने से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि समय पर सप्लाई न होने के कारण किसान आक्रोशित हैं। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि गरीब किसान जो पहले से ही सीमित संसाधनों से जूझ रहे हैं, अब चिंतित और निराश हैं, क्योंकि उन्हें अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त खाद नहीं मिल पा रही है। आयोग के पास पहुंचे हैं लाठीचार्ज, बल प्रयोग के वीडियो शिकायतकर्ता ने इस मामले में आयोग के हस्तक्षेप की मांग की है और यूरिया तथा डीएपी जैसी खाद का उचित और समय पर वितरण कराने के लिए कहा है। साथ ही यह जांच करने की भी मांग की है कि आखिर ये कमी क्यों हो रही है। आयोग से की गई शिकायत में अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। आयोग का कहना है कि शिकायतकर्ता ने वीडियो लिंक उपलब्ध कराए हैं। जिनमें बताया गया है कि पुलिस और अधिकारियों ने खाद की कमी के कारण लाइन में खड़े

# भोपाल में आरजीपीवी में बनेगी पुलिस चौकी

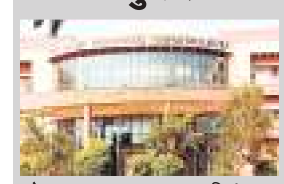

**भोपाल।** अक्सर अपराध पर नियंत्रण के लिए शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पुलिस चौकी बनाई जाती है, लेकिन अब राजधानी के एक विश्वविद्यालय में रैगिंग पर रोकथाम के लिए पुलिस की चौकसी बढ़ाई जाएगी। भोपाल का राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में रैगिंग व मारपीट जैसे विवादों का गढ़ बनते जा रहा है। पिछले साल सात मामले यूजी की रैगिंग हेल्पलाइन में दर्ज हुए हैं। वहीं इस साल अब तक आठ माह में आठ से अधिक मामले दर्ज हो गए। इस पर अंकुश लगाने के लिए आरजीपीवी के कुलगुरु ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर विवि में पुलिस चौकी बनाने के लिए कहा है। साथ ही विवि ने यूजीसी से रैगिंग के रोकथाम के लिए जारी की गई गाइडलाइन को हर जगह चस्पा किया जा रहा है।साथ ही कनिष्ठ व वरिष्ठ विद्यार्थियों को रैगिंग में शामिल होने पर उसके दुष्परिणाम को समझाया जा रहा है। इस साल राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय(एनएलआईयू) में दो और बरकतउल्लाह विवि में चार मामले सामने आए हैं। राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों में बीते आठ माह में करीब 15 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं। विद्यार्थियों को अलग-अलग छात्रावास में रखा जाए यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को छात्रावास में इस सत्र से जूनियर और सीनियर विद्यार्थियों को अलग-अलग रखने के लिए निर्देश दिए हैं।

# नियमित शिक्षकों को राहत, अतिथि शिक्षकों पर सख्ती

- ऑनलाइन अटेंडेंस न होने से 97 हजार अतिथि शिक्षकों का मानदेय अटका

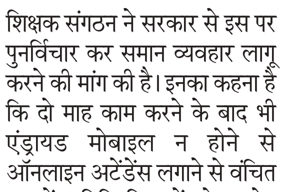


**भोपाल।** शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर एक बार फिर विरोध के स्वर उपजे हैं। अतिथि शिक्षकों ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग इस मामले में दोहरा रवैया अपना रहा है। नियमित शिक्षको के विरोध के बाद उन्हें इससे मुक्त रखा गया है जबकि वाहवाही लूटने के चक्कर में अतिथि शिक्षकों के पर अधिकारियों ने शिकंजा कसा है। स्कूल शिक्षा विभाग के 72 हजार और जनजातीय कार्य विभाग के 25 हजार अतिथि शिक्षकों का मानदेय दो माह से नहीं दिया गया है। अतिथि शिक्षक संगठन ने सरकार से इस पर पुनर्विचार कर समान व्यवहार लागू करने की मांग की है। इनका कहना है कि दो माह काम करने के बाद भी एंड्रायड मोबाइल न होने से ऑनलाइन अटेंडेंस लगाने से वंचित हजारों अतिथि शिक्षकों को मानदेय से वंचित किया जा रहा है। अतिथि शिक्षक तीन महीने बेरोजगार रहने के बाद सेवा में लगे हैं। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि अतिथि शिक्षकों को ई अटेंडेंस से दिक्कत नहीं है।

# मप्र के 3 लाख पेंशनर्स का घर-घर पहुंचकर वेरिफिकेशन

## दीपावली के बाद मिलेगी होल्ड पेंशन

**भोपाल।** मप्र में 3 लाख से ज्यादा बुजुर्ग, दिव्यांगों को पेंशन के लिए अभी और इंतजार करना होगा। ऐसे सभी पेंशनर्स का वेरिफिकेशन करने के लिए सरकारी कर्मचारी अब घर-घर जाएंगे। दरअसल तमाम कोशिश के बाद भी प्रदेश के 3 लाख से ज्यादा बुजुर्ग और दिव्यांगों का ई केवाईसी नहीं किया जा सका है। इस वजह से इन बुजुर्ग और दिव्यांगों को पेंशन नहीं मिल पा रही है। केवाईसी न होने की वजह से इनकी पेंशन को होल्ड पर रखा गया है।

### 31 अगस्त की समय सीमा भी निकली

मप्र में 56 लाख पेंशनर्स हैं, जिन्हें हर माह पेंशन जारी की जाती है। ऐसे पेंशनर्स का हर साल ई केवाईसी कराया जाता है, ताकि मृत हो चुके बुजुर्ग और दिव्यांगों का नाम सूची से हटाया जा सके। राज्य शासन ने 31 अगस्त तक ई केवाईसी कराने की तारीख तय की थी लेकिन यह तारीख निकलने के बाद भी करीबन 3 लाख पेंशनर्स का वेरिफिकेशन नहीं किया जा सका।

### वेरिफिकेशन के लिए घर-घर पहुंचेगे कर्मचारी

*बचे हुए 3 लाख पेंशनर्स का वेरिफिकेशन कराने के लिए अब कर्मचारियों को घर-घर भेजने का निर्णय लिया गया है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की आयुक्त सोनाली वायंगणकर ने सभी जिलों के कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को निर्देश जारी किए हैं। सभी जिलों को भेजी गई लिस्ट सामाजिक न्याय विभाग ने होल्ड पर रखे गए सभी जिलों के पेंशनर्स की जिलावार सूची तैयार की है और इसे सभी जिलों के कलेक्टर को भेजी गई है। सभी जिला कलेक्टरों को 30 नवंबर तक वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलों में विभाग के अधिकारी और गांवों में ग्राम पंचायत सचिव, वार्ड प्रभारी पेंशनर्स की पुष्टि करेंगे और पोर्टल पर प्रमाणित किया जाएगा। साथ ही पेंशन शुरू करने की अनुशंसा की जाएगी। इसके बाद ही इन सभी की पेंशन जारी की जाएगी। होल्ड की गई पुरानी पेंशन की राशि भी जारी की जाएगी।*

# दूसरे शहरों में भी ऑपरेशन कर सकेंगे एम्स के डॉक्टर

**भोपाल।** भोपाल एम्स के डॉक्टर अब दूसरे शहरों में बैठकर रोबोट के जरिए सर्जरी कर सकेंगे। इसके लिए एम्स में दुनिया का सबसे एडवांस रोबोटिक सिस्टम लगाया जा रहा है। जिसकी लागत करीब 30 करोड़ रुपए होगी। इसके बाद यहां से डॉक्टर कमांड देंगे और दूसरे शहर में ऑपरेशन थिएटर में मौजूद रोबोटिक आर्म उस कमांड पर सर्जरी पूरी करेगा। भोपाल का एम्स के यूरोलॉजी विभाग में जल्द ही दा विंची रोबोटिक आर्म सिस्टम स्थापित किया जाएगा। यह एम्स भोपाल को मध्य भारत का पहला सरकारी अस्पताल बनाएगा, जहां रोबोट की मदद से जटिल ऑपरेशन किए जाएंगे। तीन हिस्सों में काम करेगा रोबोट इस सिस्टम में एक कंसोल सिस्टम और दो रोबोटिक आर्म शामिल होंगे।

# बीच चौराहे पर डोनाल्ड ट्रंप की तेरहवीं

## अंतिम संस्कार के 13 दिन बाद दिया मृत्यु भोज, टैरिफ के विरोध में अनूठा प्रदर्शन

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में बीच चौराहे पर की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तेरहवीं मनाई गई। उनके अंतिम संस्कार के 13 दिन बाद आज मृत्यु भोज दिया गया। सैकड़ों लोगों ने मृत्यु भोज में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर हर वर्ग के लोगों को भोजन कराया गया। भोजन में पूड़ी, सब्जी, बूंदी परोसी गई। मृत्यु भोज में महिलाएं भी शामिल हुईं महिलाएं भी शामिल हुईं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सांकेतिक अंतिम संस्कार के बाद सांकेतिक मृत्यु भोज दिया गया। भगवा पार्टी ने 13 दिन पहले सांकेतिक अंतिम संस्कार किया था। अमेरिका द्वारा भारत में भारी भरकम टैरिफ लगाने का चौरफा विरोध हो रहा है। इसी के विरोध में भगवा पार्टी का आंदोलन का यह एक स्वरूप था।

# राजधानी में फ्लू वायरस का अटैक

## हर छह घंटे में आ रहा बुखार, खांसी से मरीज बेहाल

- बुखार, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द हैं इसके लक्षण

**भोपाल।** मौसम में बदलाव के साथ पिछले एक सप्ताह में राजधानी भोपाल में फ्लू के लक्षण वाले मरीजों की संख्या में तेजी इजाफा हुआ है। अस्पतालों के अलावा चिकित्सकों की ओपीडी में बुखार, सर्दी-खांसी के मरीजों की संख्या में आम दिनों के मुकाबले मरीजों की संख्या दोगुना हो गई। इस बार फ्लू के वायरस श्वसन तंत्र को प्रभावित कर रहा है। संक्रमण के बाद मरीजों को हर छह-आठ घंटे में दवा लेने के बाद भी पुनः बुखार आ रहा है। कई मरीजों को खांसी एक सप्ताह से दस दिन तक रह रही है। ऐसे में चिकित्सकों की सलाह है कि फ्लू का यह वायरस रेस्पिरेटरी सिनसिशियल वायरस कैटेगरी का वायरस है। कोविड का वायरस भी इसी श्रेणी का था। ऐसे में लोगों को इस संक्रमण से बचाव के लिए कोविड से बचाव के तय सुरक्षा के प्रोटोकाल का पालन करना चाहिए। डाक्टरों की मानें तो यह सामान्य फ्लू नहीं है। एच3एन2 इंफ्लूएंजा वायरस के म्यूटेड वर्जन के कारण मरीजों को तेज बुखार, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द, कमजोरी जैसी परेशानियां हो रही हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी... टैरिफ तनाव पर बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** भारत और अमेरिका के बीच संबंध रूसी तेल खरीद पर अटके हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के तौर पर नियुक्त किए गए सर्जियो गोर ने सीनेट के सामने अपने बाकी अमेरिकी साथियों की तरह एक बार फिर से इस बात को दोहराया कि भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी। हालांकि सर्जियो गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे टैरिफ तनाव को बस कुछ हफ्तों का बताया। उन्होंने गुरुवार को यह भरोसा जताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही यह तनाव सुलझ जाएगा। इतना ही नहीं गोर ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच में बहुत थोड़ी सी बातों को लेकर मतभेद हैं, जिन्हें जल्दी ही सही कर लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर ने सीनेट के सामने अपना संबोधन देते हुए भारत को अमेरिका रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसका भविष्य उस क्षेत्र और उससे आगे के भविष्य को आकार देगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, मैं इस साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सीनेट के सामने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए गोर ने कहा, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता इसे क्षेत्र की आधार शिला और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। इस वजह से यह दोनों देशों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। गोर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के बीच में अविश्वसनीय संबंध हैं। गोर ने कहा, अगर आपने गौर किया होगा तो जब राष्ट्रपति ट्रंप दूसरे देशों के ऊपर हमला (वाक् युद्ध) करते हैं, तो वह उस समय उनके नेताओं पर भी हमला बोलते हैं। लेकिन जब राष्ट्रपति भारत की आलोचना करते हैं तो वह प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के लिए अपनी सीमा से आगे निकल जाते हैं। उन दोनों के बीच में एक अविश्वनीय संबंध है।

### चार्ली किर्क मर्डर केस: एफबीआई ने जारी की संदिग्ध की तस्वीर, हत्यारे को लेकर बड़ा खुलासा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी पुलिस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क के हत्यारे की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए एफबीआई ने एक तस्वीर जारी की है और संदिग्ध की पहचान में जनता से सहायता मांगी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने गोली चलाने के बाद छत से कूदकर भाग गया था। गौरतलब है कि अमेरिका के यूटा प्रांत में एक कॉलेज में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया कि जिस इलाके से संदिग्ध भागा था, वहां से एक राइफल बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर कॉलेज के छात्रों की उम्र का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हमलावर चीख-पुकार और छात्रों में मची अफरा-तफरी के बीच फरार हो गया। जांच अधिकारी हमलावर की तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों को इस हत्या के उद्देश्य का पता नहीं चल सका है, लेकिन इस घटना ने अमेरिका में बढ़ती राजनीतिक हिंसा को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है, जो हाल के वर्षों में विभिन्न विचारधाराओं के लोगों के बीच देखी गई है। अमेरिका में यूटा वैली यूनिवर्सिटी के परिसर में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना तब हुई जब किर्क एक बहस में हिस्सा ले रहे थे। तभी हमलावर ने कुछ दूरी से परिसर की एक छत से गोली चलाई। हत्या का विचलित करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें चार्ली किर्क माइक्रोफोन पकड़े बात कर रहे थे, तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई। कुछ ही सेकंड में उनकी गर्दन के बाईं ओर से खून बहने लगा, जिससे वहां मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। गोलीबारी की यह घटना किर्क द्वारा एक व्यक्ति के सवाल का जवाब देने के बाद हुई, जिसमें उस व्यक्ति ने पूछा था कि क्या आप जानते हैं कि पिछले 10 वर्षों में कितने ट्रांसजेंडर अमेरिकियों ने सामूहिक गोलीबारी की है? चार्ली किर्क ने जवाब दिया कि बहुत ज्यादा।

# ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की धमकियों को दिखाया ठेंगा

## पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को सुनाई 27 साल की सजा

**ब्रासीलिया , एजेंसी।**
ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसले में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई। यह सजा तख्तापलट की कोशिश का दोषी ठहराए जाने के बाद सुनाई गई है। दरअसल 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में हारने के बाद बोल्सोनारो ने सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश रची थी। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ में से चार ने बोल्सोनारो को सभी आरोपों में दोषी ठहराया, जबकि एक जज ने उन्हें बरी करने की राय दी। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बावजूद आया है, जिन्होंने ब्राजील पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश की थी, लेकिन ब्राजील के न्यायपालिका ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

**सजा का आधार- तख्तापलट की साजिश और लोकतंत्र पर हमला:** बोल्सोनारो पर लगाए गए आरोपों में शामिल हैं- संगठित अपराध,

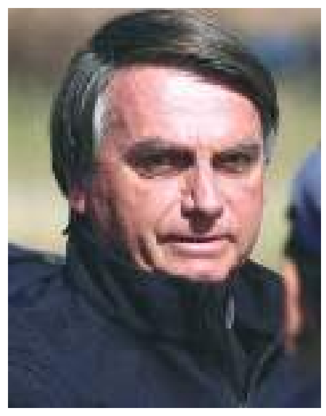

सशस्त्र आपराधिक संगठन का हिस्सा होना, लोकतांत्रिक शासन को हिंसक तरीके से उखाड़ फेंकने का प्रयास, देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और गंभीर खतरा पैदा करना। अभियोजन पक्ष के अनुसार, बोल्सोनारो ने 2022 के चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा से हारने के बाद सत्ता न छोड़ने के लिए एक विस्तृत साजिश रची थी। इस साजिश में लूला, उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन और सुप्रीम कोर्ट के जज एलेक्जेंड्रे डी मोरेइस की हत्या की योजना भी शामिल थी, जिसमें विस्फोटक, युद्ध हथियार या जहर का इस्तेमाल करने की बात कही गई।

साजिश का मुख्य बिंदु 8 जनवरी 2023 का हमला था, जब बोल्सोनारो के समर्थकों ने सुप्रीम कोर्ट भवन, राष्ट्रपति भवन और संसद पर हमला किया था। यह घटना अमेरिकी कैपिटल हिल दंगे से प्रेरित बताई जा रही है। जज मोरेइस, जो मामले की जांच कर रहे थे, उन्होंने बोल्सोनारो को आपराधिक संगठन का नेता करार दिया। उन्होंने कहा कि सैकड़ों सबूत मौजूद हैं जो साबित करते हैं कि बोल्सोनारो ने चुनाव परिणामों को स्वीकार करने से इनकार किया और सेना को लूला के शपथ ग्रहण को रोकने के लिए उकसाया। 2022 चुनाव से पहले बोल्सोनारो ने कई विवादास्पद बयान दिए थे। एक इवेंजेलिकल लीडर्स की बैठक में उन्होंने कहा था, मेरे भविष्य के तीन विकल्प हैं- गिरफ्तारी, हत्या या जीत। कोई भी इंसान मुझे धमकी नहीं दे सकता। 2023 में ब्राजील के इलेक्टोरल कोर्ट ने उन्हें 2030 तक सार्वजनिक पद पर आने से रोक दिया था, क्योंकि उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम पर बेबुनियाद आरोप लगाए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोल्सोनारो के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने इस मुकदमे को विच हंट करार दिया। ट्रंप ने बोल्सोनारो के मुकदमे को अपने खिलाफ लगे पुराने मामलों से जोड़ते हुए ब्राजील पर दबाव डालने की कोशिश की। उन्होंने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, जज मोरेइस पर प्रतिबंध लगाए, और सुप्रीम कोर्ट के अधिकांश जजों के वीजा रद्द कर दिए। ट्रंप ने कहा था, यह मेरे साथ जो हुआ वैसा ही है, लेकिन वे मुझसे बच नहीं पाए। उन्होंने ब्राजील को चेतावनी दी थी कि अगर मुकदमा जारी रहा तो व्यापारिक जांच और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

# यूक्रेन ने रूस पर कर दी ड्रोन्स की बौछार

## रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने 221 को रातोंरात मार गिराया

**कीव/मास्को, एजेंसी।** रूस ने 221 यूक्रेनी ड्रोन्स मार गिराए हैं। मॉस्को के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने रातोंरात इन ड्रोन्स को नष्ट कर दिया। इनमें से आधे से ज्यादा ड्रोन ब्रायंस्क और स्मोलेंस्क इलाकों में उड़ रहे थे। 28 ड्रोन लेनिनग्राद क्षेत्र में और 9 मॉस्को क्षेत्र में मार गिराए गए। लेनिनग्राद के गवर्नर अलेक्सांद्र द्रोजदेंको ने बताया कि बाल्टिक सागर के प्रिमोर्स्क बंदरगाह पर एक जहाज में आग लग गई, लेकिन उस पर काबू पा लिया गया और तेल रिसाव का कोई खतरा नहीं है।

ये हमले ऐसे समय हुए जब पोलैंड ने रूस पर आरोप लगाया कि उसने इस हफ्ते उनके इलाके में ड्रोन हमला किया। मॉस्को ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि इसके कोई सबूत नहीं हैं कि ड्रोन रूसी थे। हालांकि, फ्रांस और जर्मनी ने पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इन आरोपों पर चर्चा के लिए आपात बैठक भी बुलाई। रूस यूक्रेन पर अक्सर ड्रोन हमले करता रहा है, जो उसकी वहां चल रही सैन्य कार्रवाई का हिस्सा है।

इस बीच, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अपने देश की सेना के लिए आधुनिकीकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का संकल्प जताया। यूरोपीय अधिकारियों ने बुधवार को पोलैंड में ड्रोन की घुसपैठ को जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया है। इसने इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि पोलैंड के पड़ोसी देशों के बीच तीन साल से जारी युद्ध व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है। रूस और यूक्रेन को शांति समझौते की ओर ले जाने के अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रयास अब तक गति नहीं पकड़ पाए हैं। पोलैंड ने कहा कि उसके हवाई क्षेत्र में घुसे कुछ ड्रोन बेलारूस से आए थे, जहां रूसी और स्थानीय सैनिक शुक्रवार से शुरू होने वाले युद्धाभ्यास के लिए इकट्ठा होने लगे हैं। पोलैंड गुरुवार आधी रात को बेलारूस के साथ लगी अपनी सीमा बंद कर रहा है।

# ट्रंप ने फिर किया टैरिफ वार!

**न्यूयार्क , एजेंसी।**
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और चीन पर बड़ा आर्थिक दबाव बनाने की बात कही है। उन्होंने जी7 देशों से कहा है कि वे भारत और चीन द्वारा रूस से खरीदे जा रहे तेल पर 100 प्रतिशत तक का भारी टैरिफ लगाएं। ट्रंप का मानना है कि ऐसा करने से रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बनेगा।

## क्यों लग सकता है इतना टैरिफ?

अमेरिका का मानना है कि भारत और चीन द्वारा खरीदा गया रूसी तेल, रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध और लंबा खिंच रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी के प्रवक्ता ने कहा कि यह टैरिफ सिर्फ अस्थायी होगा और युद्ध खत्म होते ही हटा लिया जाएगा। इसे अमेरिका की पीस एंड प्रॉस्पेरिटी एडमिनिस्ट्रेशन का हिस्सा बताया गया है।

ट्रंप ने जी7 देशों के साथ-साथ यूरोपीय यूनियन को भी यही सलाह दी थी। यूरोपीय यूनियन इस बात से सहमत नहीं है। श्व का मानना है कि इस तरह के टैरिफ लगाने से भारत और चीन जैसे बड़े देशों के साथ उनके व्यापारिक संबंध खराब हो सकते हैं और बदले की भावना भी पैदा हो सकती है। इसके बजाय श्व 2027 तक रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता खत्म करने और रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। अगर अमेरिका श्व और जी7 देश मिलकर भारत और चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाते हैं, तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। रूस सस्ते में तेल बेचता है और अगर यह सौदा महंगा हो गया तो भारत और चीन में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और भी बढ़ जाएगी।

# न रिश्वत, न पक्षपात; भ्रष्टाचार से निपटने को इस देश ने एआई बॉट को नियुक्त किया मंत्री

**प्रीस्टीनिया , एजेंसी।**
दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश अल्बानिया ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनूठा कदम उठाया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बॉट को मंत्री नियुक्त किया है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा, जो अपना चौथा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं, ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने नई सरकार में एक नए मंत्री को नियुक्त किया है, जो सार्वजनिक खरीद विभाग का कार्यभार संभालेगा। प्रधानमंत्री रामा ने बताया कि नया मंत्री एक एआई बॉट होगा, जिसे डिएला नाम दिया गया है। डिएला पर धमकियों और रिश्वत का असर नहीं पड़ेगा और न ही वह पक्षपात कर सकेगा। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकेगा।

अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि डिएला, जिसका अर्थ सूर्य होता है, उन सभी सार्वजनिक निविदाओं का प्रबंधन और आवंटन करेगा, जिनमें सरकार विभिन्न परियोजनाओं के लिए निजी कंपनियों के साथ अनुबंध करती है। रामा ने अपने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों की घोषणा करते हुए कहा, डिएला पहले कैबिनेट सदस्य हैं जो शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे क्योंकि वह एआई निर्मित बॉट हैं। वह अल्बानिया को एक ऐसा देश बनाने

में मदद करेंगे, जहाँ सार्वजनिक निविदाएँ 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार मुक्त हों। अल्बानिया में लंबे समय से निविदाओं के आवंटन में भारी भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। इस बाल्कन देश के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुनिया भर में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी से कमाई गई ब्लैक मनी को व्हाइट करने की कोशिश करने वाले गिरोहों का बड़ा केंद्र है, और जहाँ भ्रष्टाचार सत्ता के गलियारों तक पहुँच गया है। अल्बानिया की इस छवि ने उसके यूरोपीय संघ में एंट्री को मुश्किल कर दिया है। यही कारण है कि अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए एआई बॉट का सहारा लेने का फैसला किया है। वह चाहते हैं कि 2030 तक उनका देश भ्रष्टाचार मुक्त हो जाए। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी है। दूसरी तरफ, सरकार ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया है कि डिएला पर किस तरह की मानवीय निगरानी हो सकती है, या उस जोखिम का भी कोई ज़िक्र नहीं किया गया है कि कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले बॉट में हेरफेर कर सकता है या नहीं।

डिएला को मूल रूप से इस साल की शुरुआत में ई-अल्बानिया प्लेटफ़ॉर्म पर एक एआई-संचालित आभासी सहायक के रूप में लॉन्च किया गया था, जो नागरिकों और व्यवसायों को सरकारी दस्तावेज़ प्राप्त करने में मदद करता है। पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक पहने, वह आवाज़ के ज़रिए सहायता प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक स्टाम्प के साथ दस्तावेज़ जारी करता है, जिससे नौकरशाही में होने वाली देरी कम होती है।

हालांकि, सरकार की नई मुहिम पर लोगों ने अभी से ही सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। एक फ़ेसबुक उपयोगकर्ता ने कहा- अल्बानिया में डिएला व्यवस्था भी भ्रष्ट हो जाएगी। एक अन्य ने कहा- चोरी जारी रहेगी।

# रूस से भिड़ने की तैयारी में यूरोप? फ्रांस ने पोलैंड में तैनात किए राफेल

**वारसॉ , एजेंसी।**
फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को पोलैंड में तीन राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती की घोषणा की। यह तैनाती रूसी ड्रोनों की घुसपैठ के जवाब में नाटो के पूर्वी मोर्चे को मजबूत करने और यूरोपीय सुरक्षा की रक्षा करने के उद्देश्य से की गई है। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, रूसी ड्रोनों द्वारा पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ के बाद, मैंने हमारे सहयोगियों के साथ मिलकर पोलिश हवाई क्षेत्र और नाटो के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा में योगदान देने के लिए तीन राफेल लड़ाकू विमानों को तैनात करने का फैसला किया है। फ्रांसीसी नेता ने बताया कि उन्होंने बुधवार को इस फैसले के बारे में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से सीधे बात की थी। उन्होंने नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग और

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा की। मैक्रों ने कहा कि ये देश भी पूर्वी मोर्चे की रक्षा में समान रूप से सक्रिय हैं। मैक्रों ने जोर देकर कहा कि रूस के बढ़ते खतरे के खिलाफ यूरोप की रक्षा फ्रांस और नाटो की रणनीति का केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा, यूरोपीय महाद्वीप की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम रूस की बढ़ती धमकियों के सामने नहीं झुकेंगे। यह घोषणा तब आई जब पोलैंड की सेना ने कहा कि उसने इस सप्ताह की शुरुआत में रूसी ड्रोनों को मार गिराया, जो पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए थे। इसके बाद, पोलैंड ने नाटो के अनुच्छेद 4 को लागू किया, जिसमें सहयोगी देशों के बीच खतरे पर विचार-विमर्श के लिए परामर्श की मांग की गई है। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद फ्रांस ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर नाटो वायु रक्षा के लिए पूर्वी यूरोप में विमान तैनात किए हैं।

पोलैंड के उपप्रधानमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि इस घटना का पैमाना यह दर्शाता है कि यह रूस द्वारा जानबूझकर किया गया कार्य था। सीएनएन के अनुसार, उन्होंने कहा कि पोलैंड के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले ड्रोनों की संख्या इसे एक सुनियोजित कृत्य बनाती है। पोलैंड के आंतरिक मंत्री ने बाद में कहा कि देश भर में 16 ड्रोन देखे गए थे, जिनके मलबे बड़े क्षेत्र में बिखरे हुए थे।

## पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन...

पोलिश संसद को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने चेतावनी दी कि भले ही पोलैंड युद्ध की स्थिति में नहीं है, लेकिन यह स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक खतरनाक है। उन्होंने कहा, यह कहने का कोई कारण नहीं था कि पोलैंड युद्ध की स्थिति में है, लेकिन यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय से अधिक संघर्ष के करीब है।

टस्क ने कहा कि पोलैंड एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहा है जो अपनी शत्रुतापूर्ण मंशा को छिपाता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलैंड ने नाटो संधि के अनुच्छेद 4 को लागू किया है, जो गठबंधन को सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए खतरे पर चर्चा करने और परामर्श करने की अनुमति देता है।

## नाटो का अनुच्छेद 4?

अनुच्छेद 4 नाटो देशों को यह वचन देता है कि जब कभी भी, उनमें से किसी की राय में, किसी भी पक्ष की क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता या सुरक्षा को खतरा हो, तो वे आपस में परामर्श करेंगे। जब इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया जाता है, तो नाटो के सदस्य उत्तरी अटलांटिक परिषद में परामर्श के लिए मिलते हैं। इस मामले में रूस पर आरोप है कि उसने नाटो देश पोलैंड की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया है।

# डिजाइनर हैंडबैग, शानो-शौकत भरी जिंदगी; नेपाल के नेपो किड जिनको देख भड़के युवा

**काठमांडू, एजेंसी।**
नेपाल पिछले एक सप्ताह से भीषण विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। सरकारी अक्षमता और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन अब राष्ट्रव्यापी विद्रोह का रूप ले चुका है। युवा पीढ़ी, खासकर जनरेशन ', इस आंदोलन की अगुवाई कर रही है। प्रदर्शनकारियों के दबाव और हिंसा के बढ़ते हालात के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है।

पुलिस कार्रवाई में कम से कम 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,000 से अधिक घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी भवनों, नेताओं के निजी घरों और यहां तक कि पर्यटन केंद्रों के होटलों को आग के हवाले कर दिया। नेपाल की संसद भी लपटों में घिर गई। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि सेना को सड़कों पर उतरकर कर्फ्यू लागू करना पड़ा और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की कोशिश करनी पड़ रही है। इस गुस्से के पीछे लोगों की नेताओं के बच्चों की आलीशान जिंदगी भी एक वजह है।

इस उथल-पुथल के केंद्र में पीढ़ीगत असंतोष है, जहां साधारण नेपाली बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और गहरी गरीबी से जूझ रहे हैं, वहीं राजनीतिक नेताओं के बच्चे (नेपो किड्स) सोशल मीडिया पर लग्जरी कारें, डिजाइनर बैग और विदेशी छुट्टियां दिखाकर अपनी ऐशोआराम की जिंदगी का प्रदर्शन कर रहे हैं। टिकटॉक, इंस्टाग्राम, रेडिट और एक्स पर राजनेताओं के बच्चों की शानदार लाइफस्टाइल को उजागर करने वाले पोस्ट और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

वीडियो और पोस्ट्स में नेताओं के बच्चों की शानो-शौकत की तुलना आम जनता की बाढ़, बिजली कटौती और महंगे खाने जैसी परेशानियों से की गई। श्रृंखला खतिवाड़ा- पूर्व मिस नेपाल और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बिरोध

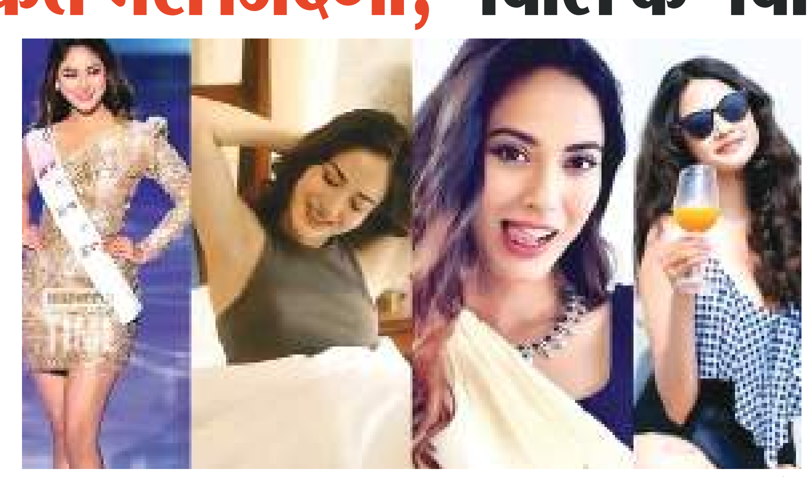

खतिवाड़ा की बेटी श्रृंखला खतिवाड़ा लक्जरी लाइफस्टाइल के कारण निशाने पर आईं। उनका घर प्रदर्शनकारियों ने जला दिया। अब उनके इंस्टाग्राम पर से एक लाख से ज्यादा फॉलोअर्स घट गए।

शिवाना श्रेष्ठा- शिवानी एक सिंगर और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की बहू हैं। वे भी निशाने पर रहीं। उनके वीडियो में लग्जरी मकानों और महंगे कपड़ों का प्रदर्शन दिखाया गया। वह और उनके पति जयवीर सिंह देउबा को ऑनलाइन निशाना बनाया गया, जहां उन्हें करोड़ों की संपत्ति वाले राजनीतिक परिवारों का उदाहरण बताया गया। रेडिट पर उन्हें नेपो बेबी ऑफ फॉरेन अफेयर्स कहा गया।

**स्मिता दाहाल-** स्मिता पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की पोती हैं। उन्हें लाखों रुपये के महंगे हैंडबैग्स के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा क्योंकि आम नेपाली नौकरियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रचंडा का घर भी प्रदर्शनकारियों द्वारा निशाना बनाया गया।

**सौगत थापा-** सौगत कानून मंत्री बिंदु कुमार थापा के बेटे हैं। उनकी ऐशो-आराम की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुईं। उनके फोटो प्रदर्शनों के दौरान खूब प्रसारित हुए। एक वायरल तस्वीर में उन्होंने लुई विटॉन, कार्टियर और गुच्ची के बॉक्स से क्रिसमस ट्री बनाया था, जो आक्रोश का कारण बना। वह आंसुवारा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जो उनके पिता द्वारा स्थापित है।

इनमें से अधिकतर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को डिएक्टिवेट कर लिया है। वहीं काठमांडू और उसके बाहर, प्रदर्शनकारियों ने इन परिवारों के घरों को आग लगा दी। उन्होंने कहा कि सामान्य जनता गरीबी में मर रही है, जबकि ये नेपो किड्स लाखों के कपड़े पहनते हैं। नेपाल लंबे समय से एशिया के सबसे भ्रष्ट देशों में गिना जाता है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्टों में लगातार भ्रष्टाचार की उच्च स्तर पर पुष्टि हुई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में कम से कम 71 मिलियन डॉलर की हेराफेरी हुई थी। एक अन्य मामले में, भूटान से विस्थापित शरणार्थियों के कोटे को बेचने में नेताओं की संलिप्तता पाई गई थी। लेकिन ऐसे मामलों में सजा बेहद दुर्लभ है। यही धारणा जनता में बनी कि नेताओं को जवाबदेही से बचाया जाता है।

# उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने 15वीं बैक टू बेसिक कार्यशाला का किया उद्घाटन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि काबिल लोग हमेशा यही प्रयास करते हैं कि देश और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सेवाओं और विशेषज्ञों को अपने क्षेत्र में लाकर लोगों को अधिक लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने डॉ. एस.पी. दुबे, डॉ. अजय गोयनका सहित अन्य विशेषज्ञों के योगदान को सराहते हुए कहा कि यह कार्यशाला प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा देने वाली है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिव्यशील हेल्थ फाउंडेशन द्वारा आयोजित 15वीं बैक टू बेसिक कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सरकार प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक सभी स्तरों पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कार्य कर रही है। सुपर स्पेशलिटी और मल्टी स्पेशलिटी सेवाओं में मध्यप्रदेश आज एक उदाहरण बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का अभियान चल रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्रेष्ठ विशेषज्ञों के अनुभव और मार्गदर्शन से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएँ और भी बेहतर होंगी। उन्होंने कार्यशाला की सफलता की शुभकामनाएँ दीं। मंत्री, सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग श्री विश्वास सारंग सांसद, भोपाल श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी सहित गणमान्य जन एवं संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# महाराजा अग्रसेन जयंती पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 का हुआ आयोजन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

देश और दुनिया में महाराजा अग्रसेन जयंती की तैयारी अग्रवाल समाज के द्वारा जहां जोर-शोर से की जा रही है वहीं दमोह अग्रवाल समाज के द्वारा भी लगातार 1986 सन से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन महाराजा अग्रसेन जयंती के पूर्व अग्रवाल धर्मशाला में किया जाता है इसके पश्चात अग्रसेन जयंती के दिन सभी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है इसी क्रम में दमोह अग्रवाल समाज के द्वारा भी समाज की विभिन्न संस्थाओं के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला में किया जा रहा है इसी क्रम में अग्रवाल जन जागरण समाज कल्याण समिति के द्वारा आज सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया समिति के अध्यक्ष स्वप्नेश अग्रवाल युवा संभागीय अध्यक्ष विकास अग्रवाल के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा छठवीं से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों के द्वारा इस परीक्षा में भाग लिया गया। गणेश अग्रवाल कपिल अग्रवाल के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया की परीक्षा में महाराजा अग्रसेन से संबंधित प्रश्न व दमोह जिले से संबंधित जनरल नॉलेज के प्रश्न रखे गए हैं। कृष्णकांत रंचित अग्रवाल अनमोल अग्रवाल ने कहा कि परीक्षा में कुळ 60 क्वेश्चन है जिसमें 60 मिनट का समय बच्चों को दिया गया है निर्धारित समय 4-30 बजे परीक्षा प्रारंभ हुई जो की 5.30 बजे पूर्ण हुई। परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में सान्वी जुगल अग्रवाल प्रिया संजू अग्रवाल वैशाली संजू नमन राजा रामजी राजेश मानवी मनीष आयुष मनोज अदिति ओमप्रकाश

स्वस्ति गणेश आरुष संजय पूर्वी दीपक अंशिका संजय ने भाग लिया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के महिला पुरुषों में मुख्य रूप से उपाध्याय राजबहादुर अग्रवाल संदीप अग्रवाल अग्रवाल तरुण मंच के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल रिद्धि अग्रवाल निशा अग्रवाल दिशा अग्रवाल अंजली अग्रवाल प्रियंका अग्रवाल कल्पना अग्रवाल वंदना अग्रवाल करुणा अग्रवाल जिया गुंजन नित्या ऐश्वर्या नव्या अदिति समृद्धि गौरी विशेष विराज देवांश सहित बड़ी संख्या में अग्रबंधुओं की उपस्थिति रही

## संक्षिप्त खबरें

### अखिल भारतीय हिंदू महासभा के संगठन मंत्री की सदस्यता समाप्त

**भोपाल, नप्र।** अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री पद से तत्काल प्रभाव से संगठन द्वारा गौरव अध्वायु की महासभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई है यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे द्वारा बताई गई की गौरव द्वारा अनुचित व्यवहार पार्टी फंड में अनियमिताएं पाई गई और साथ ही पार्टी को धूलित करने का प्रयास भी किया गया संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार की शिकायतें भी लगातार मिलती रही साथ ही पार्टी के कार्यक्रम में और शब्द और अशोक नहीं भाषा का प्रयोग भी किया गया पार्टी के साथ टीमवर्क ना करके राजनीतिकरण का जामा पहनाने की कोशिश की गई संगठन और सकर्मियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार भी बताया गया प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश और सर्वे जानकी सहमति से इन्हें आज निष्कासित किया जाता है प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पार्टी के विचारधारा सर्वमान्य है पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश का पालन करना हम सभी संगठन के पदाधिकारी का दायित्व बनता है देश के चलते रोहित ने पार्टी की गरिमा और छवि ड्यूलित करने का प्रयास किया प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे ने इसकी जानकारी राष्ट्रीय महासचिव संगठन मंत्री प्रदेश के समस्त जिला अध्यक्ष प्रदेश के मीडिया प्रभारी और पार्टी को उसकी जानकारी दी गई रोहित दुबे ने बताया कि पार्टी सर्वोपरि है हम सब इसके कार्य करता है हम सबको मिलकर अखिल भारत हिंदू महासभा को सभी पदाधिकारी एकजुट होकर काम करेंगे और सदा ही इसकी गरिमा बनाए रखेंगे।

### झूठी एफआईआर पर हो कार्यवाही: आसिफ जकी

**भोपाल, नप्र।** गणपति जी विसर्जन के दौरान प्रतिमा खंडित का विवाद और झूठी एफआईआर करने वालों पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश नाकाम, झूठी एफआईआर और भड़काऊ बयानबाज़ी पर हो सख्त कार्रवाई।

शहर में फैलाई जा रही सांप्रदायिकता की कोशिशों को मो. आसिफ जकी ने बेनकाब करते हुए कहा कि आपसी रंजिश और राजनीतिक कारणों से गंगा जमना ताजीहाब को धूल मिल कर माहौल बिगाड़ने की थाना गौतम नगर अंतर्गत साजिश नाकाम हुई है। उन्होंने झूठी एफआईआर दर्ज कराने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही भाजपा पर वार करते हुए कहा कि वह भाजपा नेताओं की अनर्गल बयानबाज़ी की निंदा करते है और उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही जकी ने सभी नागरिकों से शांति और सौहार्द (एकता) बनाए रखे और सदा हिंदू मुस्लिम भाईचारे को बनाए रखने की अपील की ।

### कांग्रेस ने निकाली किसान न्याय यात्रा

**भोपाल, नप्र।** मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा आज उज्जैन में किसान न्याय यात्रा निकाली गई। इस यात्रा के बाद हुई सभा में मौजूद नेताओं ने किसानों का खाद बिजली पानी उपज का सही मूल्य कर्जा, महंगाई आदि का मुद्दा उठाया। सभा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ,राष्ट्रीय सचिव सचिन पायलट , प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी , नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

### सुचारू शिक्षण व्यवस्था के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश किए जारी

**भोपाल, नप्र।** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार के निर्देशों के अनुपालन में, उच्च शिक्षा विभाग ने समस्त शासकीय स्वशासी एवं अन्य संबंधित महाविद्यालय में कृषि पाठ्यक्रम संचालन के लिए सुचारू शिक्षण व्यवस्था बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए है। आदेशानुसार ऐसे महाविद्यालय, जहां सत्र 2025-26 से बी.एससी. कृषि पाठ्यक्रम संचालन हो रहा है, वहां उक्त पाठ्यक्रम की शिक्षण व्यवस्था के लिए आई.सी.ए.आर./यू.जी.सी. के मापदण्डों के अनुसार शैक्षणिक अर्हताओं के आधार पर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की सक्षम अनुमति के साथ कम से कम तीन अतिथि विद्वानों को तत्काल आमंत्रित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

### 02 ज्योतिर्लिंग के साथ दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए

# रवाना होगी आईआरसीटीसी की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

**भोपाल, नप्र।** मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रैन का संचालन किया जा रहा है। जो दिनांक 25.11.2025 को इंदौर शहर से 02 ज्योतिर्लिंग के साथ दक्षिण दर्शन यात्रा÷ के लिए रवाना होगी। यह ट्रैन मध्यप्रदेश के इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी , बैतूल एवं नागपुर स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रैन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिनों की इस यात्रा में तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी एवं मल्लिकार्जुन के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज रु. 20,000/- प्रति व्यक्ति (SL - इकॉनामी श्रेणी), रु. 32,800/- प्रति व्यक्ति (3AC - स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं

रु. 43,300/- प्रति व्यक्ति (2AC - कम्फर्ट श्रेणी) का खर्च उठाना होगा। आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इक्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आई.आर.सी.टी.सी. के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

# पार्षद का टिकट नहीं मिलने से आज भी नाराज हैं कई कार्यकर्ता

**भोपाल।** कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी कहा जाने वाला कार्यकर्ता पार्षद का टिकट नहीं मिलने से आज भी नाराज है। राजधानी के कई कार्यकर्ता ऐसे है जो आज भी इस बात का दावा करते है कि उन्हें टिकट मिलता तो वो आज पार्षद होते। पार्षद का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कई कार्यकर्ता परिसीमन और आरक्षण के कारण चुनाव नहीं लड़ सके।

राजधानी में कांग्रेस के पांच महापौर रहे। इसमें से चार पूर्व महापौर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके है। नगर निगम के एक पूर्व अध्यक्ष महापौर का चुनाव लड़ चुके है। नगर निगम में पहले वार्ड कम थे तो कांग्रेस के पार्षद ज्यादा होते थे। आज 85 वार्ड है तो मात्र 19 पार्षद है। शहर के कई लोग सांसद, विधायक भी रहे। अब पार्षदों की संख्या घटी तो सीहोर, दक्षिण बैरसिया में कांग्रेस के विधायक नहीं रहे। कांग्रेस के कई कार्यकर्ता पार्षद का टिकट नहीं मिलने के कारण सपा-बसपा ,आप, निर्दलीय चुनाव लड़े। इसका नुकसान अधिकृत प्रत्याशियों को हुआ। चुनाव हारने के बाद उनका नारा था कि हमें तो कांग्रेसियों ने हराया भाजपा में कहा दम था। मेरी कश्ती वहां डूबी जहां पानी बहुत कम था। पार्षद का टिकट नहीं मिलने से नाराज कार्यकर्ता अब संगठन में सम्मान जनक पद पाने का इंतजार और अगले चुनाव का इंतजार कर रहे है। राजधानी में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के पूर्व पार्षद आज भी मौजूद है। शहर के कई पूर्व पार्षदों का निधन हो चुका है। एक पूर्व पार्षद की बेगम पार्षद है तो एक पूर्व पार्षद की बेटी पार्षद है। एक पूर्व पार्षद का बेटा पार्षद है। संगठन के कुछ मौजूदा कुछ पूर्व पदाधिकारी तथा कुछ पूर्व पार्षद चुनाव हार चुके है। अब 2027 में होने वाले नगर निगम के चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसके लिये भी शहर में कई नये वार्ड बनेंगे और आरक्षण परिसीमन होगा। पचास प्रतिशत पद महिलाओं के लिये आरक्षित रहेंगे। पार्षद का चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे कार्यकर्ता अपने-अपने नेता के संपर्क में है। कांग्रेस के कई कार्यकर्ता ऐसे भी है जो हर दिये में तेल डालने की तर्ज पर हर नेता के दरबार में दस्तक दे रहे हैं। अब आने वाले चुनाव में कांग्रेस के कितने कार्यकर्ता पार्षद बनते है। इसके लिये अगले साल होने वाले आरक्षण परिसीमन नये वार्ड बनने का इंतजार रहेगा।

# प्राचीन नवनिर्माण दुर्गा मंदिर पर नवरात्रि की तैयारियां शुरू

**भोपाल, नप्र।** प्राचीन नवनिर्माण दुर्गा मंदिर पर नवरात्रि की भव्य तैयारियां शुरू। देवरिया जिले में गाँव करचो नदौली में नवरात्रि की भव्य तैयारिया शुरू कर दिया गया है ।

गौरतलब इस प्रकार है कि पिछ्ले 42 बर्षो से प्राचीन दुर्गा मंदिर पर बाबूराम तिवारी द्वारा हर मंगलवार और शनिवार को माता जी प्रांगण में भजन कीर्तन किया जा रहा है और अभी भी जारी है । गाँव के नवयुवकों द्वारा पिछ्ले 16 बर्षो से हर साल नवरात्रि में लगातार नौ दिनों तक रामचरित मानस का पाठ कराया जाता है। साथ ही साथ विशाल भंडारा का आयोजन किया जाता है जिस आयोजन बहुत दूर दूर भक्त आते है ।

नवनिर्माण प्राचीन दुर्गा मंदिर के निर्माण कार्य अवधेश तिवारी बहुत श्रद्धा से सभी ग्रामवासियो व क्षेत्रवासियों के सहयोग से मंदिर का नवनिर्माण कार्य बहुत ही तेजी से करा रहे है । साथ ही साथ नवरात्रि का भव्य तैयारियां श्री दयाशंकर तिवारी सभी ग्रामवाशियो के सहयोग से करा रहे है।

कमेटी के कार्यकर्ता सुरेश तिवारी, अशोक तिवारी , सम्पी तिवारी, रामब्याश कुशवाहा ,पप्पू बाबा एवं समस्त ग्रामवाशियो का विशेष आग्रह है आप सभी इस नवरात्रि सादर आमंत्रित हो व पुण्य का भागी जरूर बने ।

### रामलीला एवं दशहरा महोत्सव 2025

# आयोजन हेतु सहयोग राशि का एकत्रीकरण प्रारंभ!

**भोपाल।** विविध कला विकास समिति रामलीला एवं दशहरा महोत्सव 2025 कार्यकारिणी द्वारा सहयोग राशि का एकत्रीकरण विगत सप्ताह से प्रारंभ किया गया! रामलीला प्रवक्ता अतुल मालवीय एवं महासचिवआर एस अरोरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार रामलीला के मंचन को हाईटेक एवं भव्य प्रकाशमय बनाया जाएगा! दृश्य निर्देशक रणजीत महाराणा एवं ह्रदेश गोयल के अनुसार विविध कला विकास समिति विगत 65 वर्षों से रामलीला के मंचन का सफल आयोजन कर रही हैं! सहयोग राशि एकत्रीकरण में मुख्य रूप से शिव प्रसाद साहू,आर. एन तिवारी, जी यार लिखितकर,एपी सिंह, के. सी शर्मा, विश्वनाथ दशोरे, किशन चुरेंद्र,नरेश सोनकर,विकास तिवारी, राजकुमार सूर्यवंशी,दिनेश करण,आशीष पवार उपस्थित थे!

# यातायात पुलिस ने 1,32,400 का शमन शुल्क वसूला

**भोपाल, नप्र।** माननीय सुप्रीम कोर्ट कॅमेटी ऑन रोड सेफ्टी के दिशा निर्देश एवं पीटीआरआई पुलिस मुख्यालय द्वारा बढती सड़क दुघर्टना व उनमें होने वाली मृत्युदर को कम करने के उद्देश्य से एवं लोगों को यातायात नियमों का पालन कराये जाने हेतु 08 से 22 सिंतबर 2025 तक प्रदेश स्तरीय विशेष अभियान चलाये जाने के संबंध में निर्देशित किया गया हैं। उक्त निर्देश पालन में गुरुवार को यातायात नगरीय पुलिस भोपाल द्वारा तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध-04, बिना हेलमेट-230, बिना सीट बेल्ट-40, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग-03, नाबलिक वाहन चलाना -01, रॉग साईड वाहन चलाने पर 11, ओव्हर लोडिंग वाहन चलाने पर-05, बिना लायसेंस वाहन चलाना-03, चालानी कार्यवाही की जाकर 1,32,400 रूपये शमन शुल्क जमा कराया गया। साथ ही विद्यार्थी एवं आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा सड़क सुरक्षा संबंधी शासन की योजनाएं राहवीर योजना, हिट एण्ड रन पीडित प्रतिकर योजना, केशलेश योजना के बारे में अवगत कराने के उद्देश्य से यातायात नगरीय पुलिस द्वारा गुरूनानक हायर सेकंडरी स्कूल गोंविदपुरा एवं 4 एमपी बटालियन एनसीसी केडेट केम्प में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 800 छात्र व छात्रायें एवं आम नागरिक उपस्थित रहें।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, रविवार 14 सितंबर 2025

# 16 को अनमोल सिनेमा पर 'अहो! विक्रमार्का' का प्रीमियर

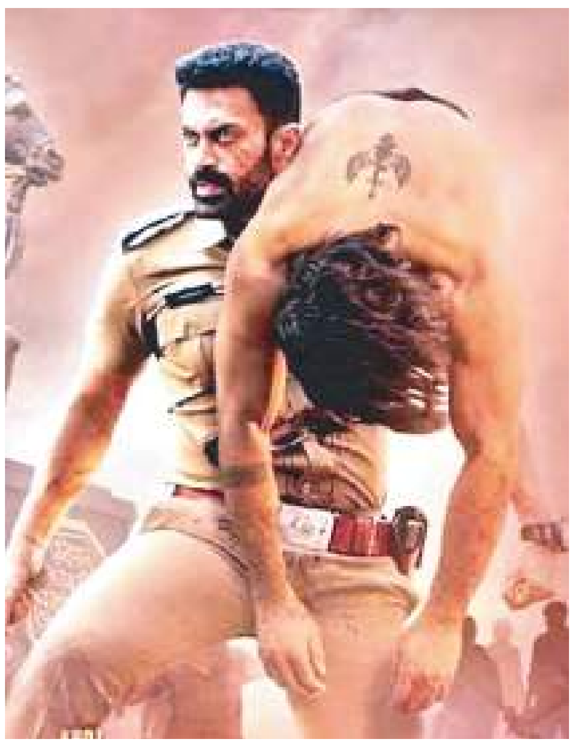

अनमोल सिनेमा, जो हर घर का पसंदीदा हिंदी मूवी चैनल है, अपने दर्शकों के लिए ला रहा है ज़बरदस्त एक्शन और फैमिली एंटरटेनर 'अहो! विक्रमार्का' का चैनल प्रीमियर। यह फिल्म 16 सितंबर, मंगलवार को रात 8 बजे प्रसारित की जाएगी। इसकी दमदार कहानी, रोमांचक एक्शन और दिल छू लेने वाला ड्रामा इस फिल्म को पूरे परिवार के लिए एक शानदार अनुभव बनाने का वादा करता है।इस फिल्म में देव गिल और चित्रा शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएँगे। इनके साथ प्रवीण तारडे , कालकेय प्रभाकर और तेजस्विनी पंडित की भी अहम् भूमिकाएँ हैं। 'अहो! विक्रमार्का' में एक्शन और ड्रामा का बेहतरीन मेल देखने को मिलेगा। देव गिल एक हीरो के रूप में ताकत और करिश्मा दोनों का बेमिसाल संगम पेश करते हैं। उनके शानदार एक्शन सीक्वेंस और जज़्बात भरे पल दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ेंगे। चित्रा शुक्ला अपनी एनर्जी और मोहक अंदाज़ से कहानी को और दिलचस्प बनाती हैं। वहीं, रवि बसरूर का संगीत फिल्म के रोमांच और जज़्बात को और गहराई प्रदान करता है।कहानी विक्रमार्का (देव गिल) की है, जो एक रिश्वत लेने वाला पुलिस ऑफिसर है। लेकिन, जब उसकी पोस्टिंग ऐसे इलाके में होती है, जहाँ एक गुंडा (प्रवीण तारडे) लोगों पर कहर ढा रहा है, तो सब कुछ बदल जाता है। आगे की कहानी में विक्रमार्का बेरहम दुश्मनों का सामना करता है, जहाँ कई चौंकाने वाले सच सामने आते हैं और वह अपनी निजी ज़िंदगी तक दाँव पर लगा देता है। यह सिर्फ बाहरी लड़ाई नहीं, बल्कि भीतर की जंग भी है, जहाँ उसे अपने ही डर और कमज़ोरियों से जूझते हुए मासूमों की रक्षा करना है और इंसाफ की राह पर वापस लौटना है।

# शराब छोड़कर फरदीन खान ने शुरू की फिटनेस जर्नी, 51 की उम्र में घटाया 25 किलो वजन

कभी अपने चार्म और स्टाइल से दिल जीतने वाले फरदीन खान लंबे समय तक फिल्मों से दूर रहे। इस दौरान उनका वजन काफी बढ़ गया था और उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा भी हुई। लेकिन 51 साल की उम्र में उन्होंने शराब और अनहेल्दी लाइफस्टाइल को अलविदा कहकर एक नई फिटनेस जर्नी शुरू की। नतीजा यह हुआ कि उन्होंने करीब 25 किलो वजन घटाकर सबको हैरान कर दिया।फिल्मों से दूरी और लाइफस्टाइल की गड़बड़ी की वजह से फरदीन का वजन 100 किलो से ऊपर चला गया था। इससे न सिर्फ उनका आत्मविश्वास कम हुआ बल्कि सेहत पर भी असर पड़ा।उन्होंने रोज़मर्रा की आदतों में बड़ा बदलाव किया। समय पर सोना, समय पर उठना और नियमित रूप से एक्सरसाइज़ करना उनकी प्राथमिकता बन गई।फिटनेस सिर्फ शरीर से नहीं, दिमाग से भी जुड़ी है। वजन घटाना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने धैर्य और लगातार मेहनत को चुना। सोशल मीडिया पर मिल रही पॉजिटिविटी ने भी उन्हें प्रेरित किया।फरदीन खान का ट्रांसफॉर्मेशन यह साबित करता है कि उम्र केवल एक संख्या है। फिटनेस सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सेहत और आत्मविश्वास के लिए भी ज़रूरी है। अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो तो किसी भी उम्र में नई शुरुआत की जा सकती है।

# धमाकेदार रही मिराय की शुरुआत बनी तेजा सज्जा की सबसे बड़ी ओपनिंग

कार्तिक गट्टमनेनी की फैंटेसी एडवेंचर फिल्म मिराय साल की मच अवेटेड फिल्म थी. इसमें तेजा सजा, मंचू मनोज और रितिका नायक ने लीड रोल प्ले किया है. इस फिल्म का रिलीज से पहले ही अछा-खासा बज बन गया था. वहीं शुक्रवार को मिराय ने सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद धूम मचा दी और शानदार शुरुआत की. चलिए यहां जानते हैं मिराय ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?

## मिराय ने कितने करोड़ से की ओपनिंग?

एक्शन-एडवेंचर फिल्म जॉनर में मिराय लेटेस्ट एडीशन बन गई है और इसे दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. हनु मैन की जबरदस्त सक्सेस के बाद तेजा सजा ने मिराय से बड़े पर्दे पर कमबैक किया है. इस शुक्रवार कई नई फिल्मों की रिलीज़ के कारण सिनेमाघरों में जबरदस्त मुकाबले के बावजूद, मिराय ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाने में कामयाबी हासिल की है.

सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक मिराय ने पहले दिन 12 करोड़ रुपये की कमाई की है.हालांकि ये अर्ली ट्रेंड हैं तो ऑफिशियल डाटा आने के बाद इनमें थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है.

'मिराय ने हनु मैन को पीछे छोड़ा, तेजा सजा का नया रिकॉर्ड बनाया 12 करोड़ की ओपनिंग के साथ मिराय तेजा सजा के करियर की पहले दिन की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. इसने साल 2024 में उनकी पिछली फिल्म, हनु मैन के पहले दिन के कलेक्शन 8 करोड़ रुपये को पीछे छोड़ दिया है. यह दमदार शुरुआत फैंटेसी जॉनर के लिए लोगों की एक्साइटमेंट और लीड स्टार्स की पॉपुलैरिटी को दिखाती है.

## क्या है मिराय की कहानी?

पीपुल मीडिया फ़ैक्टरी के तहत टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद द्वारा निर्मित, मिराय एक युवा योद्धा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे नौ पवित्र ग्रंथों की रक्षा का काम सौंपा गया है, जो मनुष्यों को देवताओं में बदलने में सक्षम हैं. फिल्म में माइथोलॉजी को कंटेम्परी फैंटेसी नैरेटिव के साथ ब्लेंड किया गया है.

इस बीच, मिराय के सीक्वल की संभावना भी जताई जा रही है. मिराय के एंड में, फिल्म ने मिराई- जैथरया नाम के सीक्वल के साथ वापसी का वादा किया हैय इस बीच, राणा दग्गुबाती को मिड-क्रेडिट सीन में विलेन के रूप में पेश किया गया है, और उम्मीद की जा सकती है कि बाहुबली स्टार अगली फिल्म में खलनायक की भूमिका में नज़र आएंगे. राणा के किरदार में कुछ महाशक्तियां दिखाई दे रही हैं, लेकिन इसे लेकर सस्पेंस बनाए रखने के लिए अभी तक ज़्यादा कुछ नहीं बताया गया है।

# प्रियंका के ग्लैमर के आगे बॉलीवुड हसीनाएं भी हैं फेल

इंडियन टेलीविजन के सुपरनैचुरल शो नागिन अपने सातवें सीज़न के साथ कमबैक कर रहा है. निर्माताओं ने शो की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी है, लेकिन अभी तक इसके बारे में और जानकारी नहीं दी गई है. हालांकि ताज़ा खबरों के मुताबिक, प्रियंका चाहर चौधरी %नागिन 7% की लीड एक्ट्रेस होंगी. एबीपी के सास बहू और साज़िश (एसबीएस) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिग बॉस 16 की प्रियंका चाहर चौधरी को %नागिन सीज़न 7% में नई नागिन के रूप में चुना गया है. हालांकि निर्माताओं ने इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है. वैसे प्रियंका चाहर काफी ग्लैमरस हैं और अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा हाई किए रहती हैं.प्रियंका चाहर चौधरी को नागिन 7 में देखने के लिए फैंस बेहद एक्साइटेड है. वहीं प्रियंका टीवी की मोस्ट स्टाइलिश एक्ट्रेस हैं. प्रियंका चाहर अपनी तस्वीरों से इंटरनेट पर बवाल मचाए रहती हैं. उनके ग्लैमर के आगे बॉलीवुड हसीनाएं भी फीकी लगती हैं।

# बिग बॉस 19 कुनिका सदानंद पर भड़कीं फराह खान

बिग बॉस 19 में सभी को वीकेंड के वार का इंतजार रहता है. वीकेंड के वार पर सलमान खान आते हैं और कंटेस्टेंट की क्लास लगाते हुए नजर आते हैं. मगर इस हफ्ते सलमान खान नहीं बल्कि कोई और वीकेंड के वार पर आने वाला है और कंटेस्टेंट की क्लास लगाता हुआ नजर आएगा. ये कोई और नहीं बल्कि डायरेक्टर-कोरियोग्राफर फराह खान हैं. फराह खान सब पर खूब भड़कने वाली हैं.

वीकेंड के वार का प्रोमो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है जिसमें फराह खान कुनिका सदानंद पर उनके व्यवहार की वजह से भड़कती हुई नजर आने वाली हैं. वो कुनिका को खूब खरी खोटी सुनाती हुई नजर आएंगी. जिसमें कुनिका के रिएक्शन देखने वाले हैं.

फराह खान ने कहा-%कुनिका जी घर में आपका जो रवैया है किसी की प्लेट से खाना निकलवाकर रख देना. ये सभी के लिए बहुत शॉकिंग हैं. आप सीधे परवरिश पर चली जाती हैं. जो बहुत गलत है. हमारा या किसी का कोई हक नहीं बनता है किसी को किसी पर टोकना. आपको लगता है आप कभी गलत जाती ही नहीं हैं, आप कंट्रोल फ्रीक बनती जा रही हैं.% फराह खान जब कुनिका को डांट रही थीं उस समय भी उनका एटिट्यूड साफ नजर आ रहा था. वो फराह की बात सुनकर अजीब एक्सप्रेशन दे रही थीं.

बता दें कुनिका ने इस हफ्ते नॉमिनेशन टास्क में तान्या को उनकी परवरिश को लेकर बोल दिया था. जिसके बाद उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया था. कुनिका की इस हरकत के बाद सारे घरवाले उनके खिलाफ हो गए थे.

फराह खान ने सिर्फ कुनिका नहीं बल्कि बसीर अली और नेहल को भी फटकार लगाई. फराह खान ने बसीर से कहा कि आपको लगता है आप गलत सीजन में आ गए हैं. बता दीजिए आपको कौन-से कंटेस्टेंट चाहिए थे हम इन्हें रिप्लेस कर देते हैं. वहीं लड़ाई को लेकर नेहल को भी डांट पड़ी।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट को तूल न दे....

# सरकार अपना काम कर रही है: कपिल

**चंडीगढ़, एजेंसी।** एशिया कप 2025 में 14 सितंबर के दिन भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होने वाली है। इस मैच से पहले कुछ भारतीय फैंस काफी गुस्से में हैं और इस मैच का बॉयकॉट करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने लोगों से भारत-पाकिस्तान मैच को बड़ा मुद्दा न बनाने का आग्रह किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही साफ कर दिया है कि केंद्र सरकार की नीति के अनुसार, पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी लेकिन बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भागीदारी की अनुमति है।

भारत इस साल के एशिया कप का आधिकारिक मेजबान है और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के कारण, दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों में खेलने से परहेज कर रही हैं। वहीं, कपिल ने फैंस से आग्रह किया है कि वो मैच को बिना किसी सवाल के, योजना के अनुसार होने दें, क्योंकि ये मामला बीसीसीआई या पीसीबी के हाथ में नहीं, बल्कि संबंधित देशों की सरकारों के हाथ में है। देव ने पत्रकारों से कहा, ये एक अच्छी टीम है। शुभकामनाएं। उन्होंने मैच आसानी से जीत लिया। हमें उम्मीद है कि टीम ट्रॉफी लेकर लौटेगी। भारतीय टीम को मेरा संदेश है कि बस आगे बढ़ो और जीतो। जिनका काम खेलना है, उन्हें सिर्फ़ खेलने पर ध्यान देना चाहिए। कुछ और कहने की ज़रूरत नहीं है। इसे बड़ा मुद्दा मत बनाओ। सरकार अपना काम करेगी और खिलाड़ियों को अपना काम करना चाहिएकपिल देव, चंडीगढ़ प्रीमियर लीग के लीग चरण के समापन के बाद प्रेजेंटेशन में शामिल होने चंडीगढ़ आए थे। उन्होंने टूर्नामेंट के आयोजन में केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की।यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन भी देव के साथ मौजूद थे। पूर्व कप्तान ने टंडन के साथ पंजाब राजभवन में केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से भी मुलाकात की।

भारत बनाम पाकिस्तान: वे हमें नहीं हरा सकते...

# मैच को सियासत से दूर रखें : योगराज

**चंडीगढ़, एजेंसी।** एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान टीम हमें नहीं हरा सकती है। बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, भारत-पाकिस्तान मैच को मैच की तरह ही लिया जाना चाहिए। इसे लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को सियासत में नहीं खींचना चाहिए। इससे ज्यादा मैच पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसका क्या फायदा हुआ। हम खेलते तो जीत कर आते। उस समय नहीं खेले तो फिर अब क्यों खेल रहे हैं। जब भी मौका मिले भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना चाहिए। आज की तारीख में पाकिस्तान टीम ऐसी नहीं है कि भारत को हरा सके।

उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक आईपीएल है, भारतीय क्रिकेट को कोई पछाड़ नहीं सकता। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का हाथ था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदुर चलाकर पीओके स्थित आतंकी ठिकाने नष्ट किए थे।

## बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं, अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान मैच से पहले उगला जहर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच होना है। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस मुकाबले को बहिष्कार करने की मांग हो रही है। हालांकि, भारत सरकार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इस मुकाबले को खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगला है। अफरीदी का बयान हैरानी भरा नहीं है। वह पहले भी भारत और भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया समा टीवी का एक वीडियो वायरल है, जिसमें शाहिद अफरीदी अनर्गल बात करते हुए यह कहते हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। कुछ खिलाड़ी जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं। अफरीदी ने कहा, वहां पे बहुत ज्यादा है। घरों तक पहुंच जाते हैं। घर जलाने की धमकियां देते हैं उन खिलाड़ियों को। कुछ ऐसे हैं जो वहां साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं। और एशिया कप में जाके कमेंट्री भी कर रहे हैं।

# पाकिस्तान के 5 स्पिनर्स भारत के लिए खतरा कोच माइक हेसन की वॉर्निंग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है. दोनों देशों के बीच 14 स?तंबर को एशिया कप में यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला होना है. ऐसे में दोनों देशों के स्पिनर्स में कौन बेहतर है, भारत से टक्कर लेने को पाकिस्तानी टीम कितनी तैयार है? इस पर पाकिस्तानी टीम के हेड कोच माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान माइंड गेम खेला.

दरअसल, हेसन ओमान संग शुक्रवार (12 सितंबर) को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित कर रहे थे. वहीं उन्होंने इस दौरान भारत संग मुकाबले पर भी बात की.

हेसन ने कहा- हम जानते हैं कि भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें पूरा आत्मविश्वास है और यह स्वाभाविक भी है. हम टीम के रूप में हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं. हम आगे को लेकर चिंता नहीं कर रहे हैं, लेकिन चुनौती की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. हम इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

इस दौरान पाकिस्तानी कोच हेसन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया. उन्होंने स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की तारीफ की. हेसन ने बताया कि नवाज का पाकिस्तान टीम में वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण रहा है. पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाने के बावजूद, नवाज ने शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने हाल ही में

इंडिया-पाकिस्तान एशिया कप 2025

यूएई में हुए ट्राई-सीरीज फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली और पांच विकेट भी चटकाए. हेसन ने कहा कि नवाज इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उनकी भूमिका टीम के लिए अहम साबित होगी.

हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हमारी ताकत यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं. मोहम्मद नवाज इस समय दुनिया के बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं. इसके अलावा हमारे पास अबरार अहमद और सुफियान मुकीम भी हैं, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सैम अयूब अब दुनिया के टॉप टेन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं, जो उनके गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार का नतीजा है. सलमान अली आगा ने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वह पाकिस्तान के टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिनर हैं.

## 2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत की पहली हार

**हांगझोउ, एजेंसी।** 2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत को पहली हार मिली है। गुरुवार को मेजबान चीन ने सुपर-4 स्टेज के मुकाबले में भारत को 4-1 से हरा दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं चीन पहले स्थान पर आ गई। विमेंस हॉकी एशिया कप चीन के हांगझोउ शहर में खेला जा रहा है। भारत की ओर से इकलौता गोल मुमताज खान ने किया। चीन से जो मिरोंग ने दो गोल दागे। वहीं चेन यंग और तान जिनझुआंग ने एक-एक गोल किया। भारत का अगला मैच जापान के खिलाफ शनिवार दोपहर 2=15 बजे से खेला जाएगा। अगर भारत को टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचना है तो टीम को हर हाल में यह मैच जीतना ही होगा।

पहले क्वार्टर में चीन ने बढ़त ली पहले क्वार्टर के तीसरे ही मिनट में चीन ने मुकाबले में बढ़त ले ली। टीम से जो मिरोंग ने गोल किया।

पंजाब में फुटबॉल क्रांति:

## पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

**मोहाली, एजेंसी।** पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है।इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा। बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके। यह विस्तार सिर्फ संख्या का नहीं, बल्कि क्वालिटी कोचिंग और युवाओं के लिए एक मजबूत भविष्य का वादा है। पंजाब एफसी अब सिर्फ एक क्लब नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो राज्य के फुटबॉल इकोसिस्टम को नई दिशा दे रहा है और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित कर रहा है।

## नेपाल से छीन लिया गया टी20 वर्ल्ड कप होस्ट करने का मौका, प्रदर्शनों के कारण बदला वेन्यू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पहली बार आयोजित होने जा रहे महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले बड़ा बदलाव कर दिया गया है. नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसे टूर्नामेंट का न्यूट्रल वेन्यू चुना गया था, अब हटा दिया गया है. इसकी वजह बनी नेपाल में चल रही राजनीतिक अस्थिरता और हालिया हिंसक प्रदर्शन. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेला जाएगा, जिसमें सात देशों की टीमें हिस्सा लेंगी - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका. इस टूर्नामेंट में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलें खेले जाएंगे. पहले बनाई गई योजना के तहत यह टूर्नामेंट नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए, पाकिस्तान के मैचों के लिए काठमांडू को न्यूट्रल वेन्यू बनाया गया था ताकि पाकिस्तान भी इस टूर्नामेंट में भाग ले सके.अब हालात बिगड़ने के कारण भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ ने घोषणा की कि नेपाल में चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते वहां मैच आयोजित करना सुरक्षित नहीं है. ऐसे में पाकिस्तान के मुकाबलों के लिए नया दूसरा न्यूट्रल वेन्यू जल्द तय किया जाएगा.भारत इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के साथ-साथ मजबूत दावेदार भी है. पिछले साल 2023 में हुए आईबीएसस वर्ल्ड गेम्स में भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता था. उस समय ब्लाइंड क्रिकेट का डेब्यू भी हुआ था. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी. भारतीय टीम में देश भर से 56 खिलाड़ियों की खोज के बाद 16 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है. कर्नाटक की दीपिका टीसी को कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम को उपकप्तान बनाया गया है.

## सेंट्रल जोन का स्कोर 200 रन पार: कप्तान रजत पाटीदार शतक लगाकर आउट, साउथ जोन 149 रन पर ऑलआउट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है। आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया।खबर लिखे जाने तक टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 276 रन बना लिए हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन) लगाकर आउट हुए। ओपनर अक्षय वाडकर 22, दानिश मालेवार 53 और शुभम शर्मा 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

## 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन, पदकों का खाता अब तक नहीं खुला

**निंगबो (चीन), एजेंसी।** भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है।

# भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार, बोले खेल मंत्री मांडविया

**नई दिल्ली, एजेंसी।**मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है।

देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।

स्पोटर्सस्टार प्लेकॉम= बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो । इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।

खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली

का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें। उन्होंने कहा, पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं। मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है ।

उन्होंने कहा, हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिए।

# पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच की शुरू, HC को ईमेल के जरिए मिली थी बम की धमकी

**नई दिल्ली :** दिल्ली उच्च न्यायालय को कल 12 सितम्बर को एक ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और मेल के स्रोत की जांच शुरू कर दी है। बीते साल फरवरी के बाद एक बार फिर दिल्ली हाईकोर्ट में बम विस्फोट की फर्जी सूचना से दहशत फैलाने का प्रयास किया गया। दिल्ली एनसीआर में बीते डेढ़ साल से 500 से अधिक प्रतिष्ठानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। हालांकि हर बार इस प्रकार की सूचनाओं को दिल्ली पुलिस ने फर्जी करार दिया।

शुक्रवार सुबह दिल्ली हाई कोर्ट को भी एक ऐसी ही धमकी भरा ईमेल मिला। ईमेल सुबह 8:39 बजे भेजा गया था जो हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल अरुण भारद्वाज सहित अन्य अधिकारियों को 10:41 पर प्राप्त हुआ। इसमें दावा किया गया कि कोर्ट परिसर और जजों के चैंबर में तीन बम रखे गए हैं, जिन्हें दोपहर 2 बजे तक विस्फोट कर दिया जाएगा। धमकी भरे ईमेल के बाद हाई कोर्ट में तुरंत सुनवाई कर रही बेंच ने कार्यवाही रोक दी। बेंच, वकील और पक्षकार कोर्ट रूम से बाहर निकल आए। दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड, कैट एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। करीब तीन घंटे तक चले सघन तलाशी अभियान में कोर्ट के हर कोने, पार्किंग, जज चैंबर, रिकॉर्ड रूम, कैंटीन और

टॉयलेट तक की बारीकी से जांच की गई। मेटल डिटेक्टर और अन्य उपकरणों की मदद से पूरे परिसर को खंगाला गया, लेकिन कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। इस दौरान कई बेंच वापस सुनवाई पर नहीं बैठी।

### ई-मेल में गंभीर धमकियों का दावा

सोशल मीडिया पर मेल की एक सूचना साझा की जा रही थई जिसमें पवित्र शुक्रवार विस्फोटों के लिए पाकिस्तान और तमिलनाडु की मिलीभगत का दावा किया गया। इसमें कहा गया कि कोर्ट रूम और जजों के चैंबर में रखे तीन बम दोपहर 2 बजे तक फट जाएंगे। ईमेल में यह भी उल्लेख था कि जज चैंबर में रखा एक बम इस्लामिक प्रार्थना के बाद विस्फोट करेगा। धमकी को और गंभीर बनाने के लिए इसमें अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं का इस्तेमाल किया गया। ईमेल में डॉ. शाह फैसल नामक व्यक्ति का जिक्र था, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जोड़ा गया। इसके अलावा, 1998 के पटना ब्लास्ट जैसी घटना को दोहराने और कुछ राजनीतिक नेताओं से आंतरिक मदद मिलने का भी दावा किया गया। नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ईमेल की जांच की और यह फर्जी पाया गया। इसका हाल के हफ्तों में स्कूलों को मिली बम धमकियों से कोई संबंध नहीं है।

**पूर्व में अदालतों को मिले फर्जी बम के मेल :** 15 फरवरी 2024- दिल्ली हाईकोर्ट में बम विस्फोट किए जाने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा जांच और निरीक्षण के बाद इसे फर्जी करार दिया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### विश्वविद्यालय के बाहर छात्र व उसके चाचा के साथ की मारपीट

**फरीदाबाद।** जेसी बोस वाईएमसीए विश्वविद्यालय के गेट पर बृहस्पतिवार को कार सवार 12 युवकों ने भतीजे के बचाव में आए चाचा के ऊपर हथौड़े, लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इस हादसे में युवक चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। उनको उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया गया। सेक्टर 8 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डबुआ कॉलोनी निवासी भारत ने बताया कि उसके ताऊ करण सिंह का पौत्र उज्जवल जेसी बोस वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में बीटेक सिविल का कोर्स कर रहा है। बृहस्पतिवार की दोपहर को उज्जवल ने उन्हें फोन कर बताया कि अजय डागर, साहिल व दिवाकर नामक युवक अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट करने के लिए यूनिवर्सिटी के गेट पर घूम रहे हैं। उन्होंने उज्जवल से कहा कि वह विश्वविद्यालय के अंदर ही रहे। कुछ समय के बाद वह अपने मामा के बेटे हितेश को लेकर पहुंच गए। जब वह अपने भतीजे उज्जवल को लेने के लिए गेट की ओर जाने लगा। तभी बल्लभगढ़ की ओर से कुछ युवकों ने हथौड़ा, रॉड व डंडे लेकर उनके व उनके भतीजे के ऊपर हमला कर दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए।

### फ्लिपकार्ट का कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर ठगी मामले में आरोपी गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी फ्लिपकार्ट का कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर 65988 रुपये की ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शहनवाज अहमद कोलकाता का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि ये चाय की दुकान चलाता है और इसने अपना बैंक खाता साइबर ठगों को बेचा था। इसके खाते में ही ठगी के रुपये आए थे। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपी को पांच दिन के रिमांड पर लेकर टीम पूछताछ कर रही है। साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को ये शिकायत सेक्टर-70 निवासी व्यक्ति ने दी। इसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने फ्लिपकार्ट से कुछ सामान ऑर्डर किया था। इसे वापस करने के लिए गूगल से कस्टमर केयर नंबर सर्च कर बात की। आरोपी ने कस्टमर केयर कर्मचारी बनकर बात करते हुए कहा कि आपका सामान वापस हो जाएगा। इसी बहाने से आरोपी ने खाते से 65988 रुपये ट्रांसफर कर लिए।

### फर्जी कॉल सेंटर में काम करने वाले दो युवक गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** नोएडा के फर्जी कॉल सेंटर में काम करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में आशीष कुमार और आकिब खान शामिल हैं। आशीष बिहार सिवान का मूल निवासी है और दिल्ली उत्तम नगर के नवादा में रहता है। वहीं आकिब खान बिहार आरा का मूल निवासी है और दिल्ली जैतपुर गड्डा कॉलोनी में रहता है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि आकिब की मुलाकात आशीष व कॉल सेंटर मालिक मुज्जर हुसैन से वर्ष 2023 में नीमका जेल में हुई थी। जेल से बाहर आने के बाद मुज्जर हुसैन के साथ फिर से ठगी का काम करने लगे। आशीष कॉलिंग के लिए डेटा उपलब्ध करवाता था और आकिब ठगी के पैसे से ऑर्डर किये गये सामान को बेचने का काम करता था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। इससे पहले मामले में फर्जी कॉल सेंटर के संचालक मुज्जर हुसैन सहित पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को यह शिकायत तिलपत निवासी व्यक्ति ने दी थी। इसमें कहा गया कि 18 अगस्त को उनके पास एक नंबर से कॉल आई। आरोपी ने एसबीआई कर्मचारी बनकर बताया कि आपके क्रेडिट कार्ड पर लगने वाले वार्षिक शुल्क को हटाया जा सकता है। इसके लिए आरोपी ने एप डाउनलोड कराई और फिर क्रेडिट कार्ड की डिटेल भरने को कहा। आरोप है कि डिटेल भरते ही कार्ड से 34976 रुपये कट गए। साइबर क्राइम थाना सेंट्रल की टीम ने एफआईआर दर्ज कर जांच करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

### रिहर्सल में किरदार को जीवंत कर रहे कलाकार

**फरीदाबाद।** जिले में हर वर्ष अलग-अलग जगहों पर रामलीला का आयोजन किया जाता है। जिसको लेकर तैयारियां चल रही हैं। सेक्टर-14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में बृहस्पतिवार को श्रद्धा रामलीला कमेटी के कलाकारों ने अपने-अपने किरदार का अभ्यास किया। रावण का किरदार निभा रहे श्रवण चावला और वेदवती बनी योगानंधा वशिष्ठ ने संवाद को इतने अच्छे से पेश किया कि दर्शकों को यह प्रसंग बिलकुल वास्तविक लगा। इसके बाद सीता हरण का अभ्यास हुआ, जिसमे योगानंधा वशिष्ठ ने सीता और साहिब खरबंदा ने लक्ष्मण का किरदार निभाया। कमेटी के निदेशक अनिल चावला ने कहा कि इस बार की रामलीला में आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि हर दृश्य और भी जीवंत लगे। नगला पार्ट 2 स्थित भड़ाना चौक के पास शिव मंदिर रामलीला कमेटी के कलाकारों ने राम वनवास प्रसंग का अभ्यास किया।

### 800 प्रतिशत मुनाफे का झांसा देकर 13 लाख ठगे

**फरीदाबाद।** शेयर बाजार में निवेश पर 800 प्रतिशत मुनाफे का झांसा देकर 13 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। निजी कंपनी में नौकरी करने वाले युवक के साथ ये ठगी हुई। पांच जून से लेकर 21 अगस्त के दौरान ठगी किए जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। ठगी को लेकर पुलिस को ये शिकायत यूपी जौनपुर के मूल निवासी अरुण तिवारी ने दी है।

# एमसीडी की सबसे प्रभावशाली स्थायी समिति को किया जा रहा नजरअंदाज, निगम की कार्यप्रणाली कठघरे में

**नई दिल्ली :** एमसीडी की सबसे अधिक अधिकार संपन्न और प्रभावशाली मानी जाने वाली स्थायी समिति को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एमसीडी की निर्णय प्रक्रिया में स्थायी समिति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वित्तीय और बड़े नीतिगत प्रस्ताव पहले समिति में पेश होते हैं और वहां से स्वीकृत होने के बाद ही सदन तक पहुंचते हैं।

इसके बावजूद अधिकारियों ने कई अहम फैसले सीधे महापौर से स्वीकृत करवा लिए या फिर उन्हें सीधे सदन में रख दिया। इस तरह न केवल समिति की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं बल्कि एमसीडी की कार्यप्रणाली कठघरे में है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान जब स्थायी समिति का गठन नहीं हुआ था, तब अधिकारी योजनाओं के अटकने और कामकाज में रुकावट का ठीकरा इसी पर फोड़ते थे। अब जबकि समिति का गठन हो चुका है,

उसका महत्व लगातार घटाया जा रहा है। स्थायी समिति की उपेक्षा का सबसे ताजा उदाहरण दो दिन पहले एक बार फिर देखने को मिला। अधिकारियों ने भलस्वा, गाजीपुर और ओखला लैंडफिल साइट से कचरा हटाने के तीसरे चरण की योजना के टेंडर करने की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में समिति अध्यक्ष को नजरअंदाज कर सीधे महापौर से स्वीकृति ले ली।

यह मामला अधिकारियों को काफी भारी पड़ गया, क्योंकि इस मामले को लेकर एमसीडी में हंगामा मचा हुआ है। इससे पहले अधिकारियों ने संपत्ति कर 10 प्रतिशत छूट योजना 31 जुलाई से एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक करने के मामले में भी स्थाई समिति की उपेक्षा की थी। उन्होंने जुलाई के अंत में इस बारे में प्रस्ताव भी समिति अध्यक्ष की बजाय सीधे महापौर से मंजूर करवा लिया था। यह वित्तीय अधिकारों का मामला था जिसे समिति अध्यक्ष के सामने लाना चाहिए था।

12 जून को गठित स्थायी समिति की अब तक तीन बैठकें (27 जून, 16 जुलाई और 20 अगस्त) हुई हैं, लेकिन कई बड़े प्रस्तावों को समिति की बैठक में प्रस्तुत किए बिना सीधे सदन में पेश कर दिए। सदन की बैठक में 10 जुलाई को दो अहम प्रस्ताव रखे गए, जो फैक्टरी लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाने और मनोनीत पार्षदों को विकास निधि देने संबंधी थे। यह प्रस्ताव पूर्णतः नीतिगत और वित्तीय अधिकारों से संबंधित है। लिहाजा दोनों ही प्रस्ताव समिति से होकर गुजरने चाहिए थे। वहीं 21 अगस्त की सदन बैठक में भी यही पैटर्न दोहराया गया।

बैठक के एजेंडे में आठ मैकेनिक स्वीपिंग मशीनों की अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव शामिल था और पुराने वाहनों की नीलामी से जुड़ा प्रस्ताव पटल पर रखा गया। बताया कि आठ मैकेनिक स्वीपिंग मशीनों से जुड़ा प्रस्ताव समिति के एजेंडे में शामिल होना चाहिए था। वहीं 19 अगस्त को निगम सचिव कार्यालय पहुंचा पुराने वाहनों की नीलामी वाला प्रस्ताव भी अगले ही दिन यानी 20 अगस्त को हुई स्थायी समिति की बैठक में पटल पर रखा जाना चाहिए था।

विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा खेमे के कुछ पार्षद भी यह सवाल उठा रहे हैं कि जब समिति गठित हो चुकी है तो उसके अधिकारों का सम्मान क्यों नहीं किया जा रहा। समिति के अस्तित्व को हाशिए पर डालने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

## बदमाशों ने दुकान पर बोला धावा, चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दुकानदान व उसके साथी को किया घायल

**नई दिल्ली :** बाहरी जिला के मंगोलपुरी इलाके में शुक्रवार रात बदमाशों ने लूटपाट का विरोध करने पर एक दुकानदार सचिन कुमार के सिर में चाकू से हमला कर दिया। बचाव में आए दुकानदार के साथी अरुण कुमार के पैर पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। दोनों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों ने एक हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस हमलावर से पूछताछ कर अन्य बदमाशों की पहचान कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात मंगोलपुरी थाना पुलिस को मार्केट में चाकूबाजी होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दुकानदार सचिन कुमार और उनके दोस्त अरुण को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, एक बदमाश को मौके से हिरासत में लिया, जिसे स्थानीय लोगों ने हमले के दौरान पकड़ा था।

दुकानदार ने बताया कि आधा दर्जन के करीब बदमाश उनकी दुकान पर आकर लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उनके सिर पर चाकू मार दिया।

## मेडिकल की फामेर्सी में करोड़ों रुपये की दवाइयों में लग गए कीड़े

**फरीदाबाद।** एनआईटी-3 नंबर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में कोरोना काल में खरीदी गई की करोड़ों रुपये की दवाइयों में कीड़े लग गए हैं। कर्मचारियों ने बीमारी के डर से दवाइयों की जांच करने के मना कर दिया है। अस्पताल की ओर से दवा की जांच के लिए चार सेट बनाए गए हैं। जिसमें से सेट सी की दवा की अभी जांच नहीं हुई है।

जांच के लिए जब कर्मचारी व अधिकारी गए तो उन्होंने जब दवा के डिब्बे खोले तो पाया कि उसके अंदर कीड़े लगे हुए हैं। जिस वजह से दवा से बदबू भी आ रही थी। दवा में कीड़ों की संख्या ज्यादा होने की वजह से कर्मचारियों ने जांच करने से मना कर दिया। जिसमें सबसे ज्यादा सिरप थी। इसके अलावा कैटेगरी सी में ओरल मेडिसिन जो मुंह, चेहरे और जबड़े की दवा होती है।

कुछ समय पहले अस्पताल प्रबंधन और उच्च अधिकारियों की जांच के बाद कई अधिकारियों सहित कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया था। उसी की जांच के चलते अस्पताल प्रबंधन की ओर से दवाइयों को चार कैटेगरी ए, बी, सी और डी में बांटा गया। हर कैटेगरी की जांच के लिए विभिन्न अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जानकारी के अनुसार कैटेगरी सी की दवा अभी पार्किंग में बनी फामेर्सी के अंदर रखी हुई है। दवाओं की

**70 हजार रुपये का है एक इंजेक्शन :** कर्मचारी जब चेकिंग कर रहे थे तो उन्होंने पाया कि कीड़े लगे हुई दवा में एक इंजेक्शन की कीमत करीब 70 हजार रुपये है। सेट सी की प्रभारी एसोसिएट प्रोफेसर (फिजियोलॉजी) डॉ. नम्रता कहलों का कहना है कि वह इस बारे में कुछ कहना नहीं चाहती है क्योंकि उनसे ऊपर कई अधिकारी कार्य कर रहे हैं। उनको इस बारे में ज्यादा पता है।

## जल शोधन परियोजना में देरी पर सीएम सख्त, जीएमडीए के मुख्य अभियंता पर गिरी गाज

**गुरुग्राम।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बसई जल शोधन परियोजना की निविदा प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने लापरवाही बरतने के लिए जिम्मेदार जीएमडीए के मुख्य अभियंता को चार्जशीट करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस परियोजना की निविदा प्रक्रिया के दौरान जानबूझकर नियमों की अनदेखी की गई, जिससे राज्य सरकार को वित्तीय नुकसान हुआ। इस चूक के कारण कार्यान्वयन में अनावश्यक देरी हुई, जिससे जनता को समय पर लाभ नहीं मिल पाया। चंडीगढ़ में आयोजित उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) और उच्चाधिकार प्राप्त कार्य क्रय समिति (एचपीडब्ल्यूपीसी) की बैठकों के दौरान ये निर्देश जारी करते हुए सैनी ने कहा कि परियोजना की निविदा प्रक्रिया में नियमों की जानबूझकर अनदेखी की गई, जिससे सरकार को वित्तीय नुकसान हुआ। सीएम ने अधिकारियों को निविदा

प्रक्रिया में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही और अनियमितताएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

सीएम ने कहा कि जनहित के विरुद्ध कोई भी कार्य किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रदान करना है। विकास परियोजनाओं में ईमानदारी, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**एक परियोजना को दो भाग में बांटने का आरोप**

शहर में पेयजल आपूर्ति को बेहतर करने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की बसई नहरी पानी शोधन संयंत्र के दूसरे फेज में (चौथी यूनिट) 100 एमएलडी का नया संयंत्र और 600 एमएलडी के दो स्टोरेज टैंक समेत अन्य कार्य कराने की योजना है।

## जल निकासी के लिए बनाई योजना, तालाबों में जाएगा सड़कों का पानी

**गुरुग्राम।** बारिश में जलभराव से हुई सरकार की किरकिरी के बाद गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) पानी निकासी के लिए कई कदम उठाने जा रहा है। जीएमडीए तालाबों/वाटर बॉडीज, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और ग्रीन बेल्ट को सड़क से नीचे करने जैसे कई कदम उठाने जा रहा है। जिले में 1187 तालाब / वाटर बॉडीज हैं। इसमें गुरुग्राम तहसील में 36, बादशाहपुर में 49 और वजीराबाद में 77, कादीपुर में 119 तालाब/वाटर बॉडीज है। यदि बारिश का पानी इन तालाबों/वाटर बॉडीज में संचय किया जाए तो सड़क पर होने वाले जलभराव की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

साइबर सिटी में बारिश के दौरान पूरा शहर थम जाता है और लोग जाम में घंटे फंसे रहते है। इससे सरकार की काफी किरकिरी होती है। हाल में हुई बारिश के शहर में जलभराव का मामला कई दिनों तक सोशल मीडिया में छाया रहा था। नगर निगम और जीएमडीए के प्रयासों के बावजूद पानी निकासी की समस्या बनी रही। ऐसे में अब संबंधित विभाग अभी से बारिश के पानी निकासी के इंतजामों में जुट गए हैं। इसके लिए सभी विभागों से पानी निकासी को लेकर कार्य योजना मांगी गई है। जीएमडीए की योजना है

कि बारिश के पानी निकासी के साथ संरक्षण पर ध्यान देने की जरूरत है। इससे गिरते जल स्तर को उठाया जा सकेंगे और जलभराव की समस्या को कम की जा सकती है।

**शहरी क्षेत्र के तालाब /वाटर बॉडीज के संरक्षण पर जोर :** जिले में 1187 तालाबों/वाटर बॉडीज हैं। इसमें बादशाहपुर तहसील में 49, गुरुग्राम में 36, हरसरू में 84, कादीपुर में 119, मानेसर में 157, पटौदी में 211, सोहना में 259 व वजीराबाद में 77 तालाबों/वाटर बॉडीज हैं। सबसे अधिक जल भराव वजीराबाद, कादीपुर, गुरुग्राम एरिया में होता है। ऐसे में इन जगहों के तालाबों व वाटर बॉडीज में पानी संचय में प्रयोग किया जा सकता है। झाड़सा गांव में एक, घाटा में आठ, कादरपुर में नौ, बादशाहपुर में छह, गुड़गांव गांव में दो, नाहरपुर रुप में पांच और नाथुपूर में तीन चौमा में दो व सुखराली में दो तालाब /वाटर बॉडीज प्रमुख रूप से हैं।

## अब डॉक्टर सिर्फ एक क्लिक दूर, ई-संजीवनी से लें मुफ्त परामर्श

**गुरुग्राम।** जिले के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। अब ऑनलाइन ई-संजीवनी डिजिटल प्लेटफॉर्म से मरीज घर बैठे या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर से ऑनलाइन सलाह ले सकते हैं। ई-ओपीडी और डॉक्टर-टू-डॉक्टर कंसल्टेंसी के दो तरीके हैं। इसके लिए मरीजों को ई-संजीवनी एप मोबाइल पर इंस्टॉल करना होगा। यह सुविधा निशुल्क और टेली-मेडिसिन के माध्यम से इलाज को आसान बनाती है, जिससे समय और पैसा दोनों की बचत होती है। ई-संजीवनी के जरिये पीएचसी या सीएचसी पर विशेषज्ञों से बातचीत की जा सकती है। दूर-दूराज के इलाकों में रह रहे मरीजों का अस्पताल जाने में समय बच सकता है। खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंचाने की कोशिश की जा रही है जिससे मरीज को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर सुविधाओं मिल सके।

**इंस्टॉल करें एप :** इसके लिए ई-संजीवनी एप को अपने मोबाइल पर इंस्टाल करना होगा। इसके बाद आपको रजिस्ट्रेशन करना होगा। एप में तीन ऑप्शन दिखते हैं। पहला मरीज का रजिस्ट्रेशन व टोकन दूसरा मरीज का लॉगइन और तीसरा प्रिस्क्रप्शिन। इस तरह आप डॉक्टर से

जुड़कर टेली परामर्श ले सकते हैं।

**24 घंटे उपलब्ध है सेवा :** ओपीडी के माध्यम से मरीज घर बैठे ही मोबाइल एप के माध्यम से संबंधित चिकित्सक से अपने रोग से संबंधित परामर्श ले सकता है। डीसी ने बताया कि ई संजीवनी ओपीडी निर्धारित शेड्यूल अनुसार 24 घंटे लोगों के लिए उपलब्ध है। ई-संजीवनी की ओपीडी के माध्यम से अपना उपचार करा सकते हैं।

## नेपाल में हिंसा और अराजक स्थिति से प्रभावित हुआ पर्यटन, व्यापार

**गुरुग्राम।** पड़ोसी देश नेपाल की हिंसा के कारण अराजक स्थिति से गुरुग्राम के पर्यटन व्यवसाय, उद्योग और व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

पर्यटन व्यवसाय से जुड़े कृष्णा एयर ट्रैवल प्रमुख बीएन लाल कहते हैं कि वैसे तो बरसात के मौसम में लोग काठमांडो कम जाते हैं लेकिन नेपाल में पर्यटन का जो लोग पैकेज की पूछताछ कर रहे थे, उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी है। काठमांडो में पशुपतिनाथ के दर्शन के साथ लोग पोखरा और जनकपुर का पैकेज लेते रहे हैं। पर्यटन इससे काफी प्रभावित हुआ है।

मानेसर में बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर के उपकरण तैयार करने वाले कंकरेंसी कंट्रोल सिस्टम के जीएम हरिओम त्रिपाठी कहते हैं कि हम लोग नेपाल से ज्यादा व्यापार नहीं करते हैं लेकिन जो थोड़ा बहुत उधर का बिजनेस है, उसका कंसाइनमेंट रुक गया है। पोखरा, काठमांडो के कुछ होटलों में काम था, जो अभी बंद हो गया है।

## काठमांडो हिंसा से दिल्लीवालों के अरमान ठंडे, घूमने का प्लान चौपट; फंसे लोग वापसी की कोशिश में

**नई दिल्ली :** हिमालय की गोद में बसे काठमांडू के मंदिरों और ट्रेकिंग रूट की चमक वहां चल रही अशांति के चलते फीकी पड़ गई है। विशेष रूप से पर्यटन व व्यापार पर बुरा असर पड़ा है। इस सबके बीच सितंबर की छुट्टियों में काठमांडू जाने की योजना बना रहे दिल्लीवासियों के लिए यह आंदोलन किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा है।

इसके चलते दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा ठप हो गई है। वहीं, हवाई उड़ानें रद्द हैं। बुकिंग शून्य और सभी प्री-बुकिंग्स रद्द होने से पर्यटन उद्योग संकट में है। दिल्ली से नेपाल जाने वाले पर्यटकों ने यात्रा पूरी तरह बंद कर दी गई है। ट्रैवल एजेंट्स ने बताया कि नई बुकिंग शून्य हो चुकी है और जिन्होंने प्री बुकिंग करवाई थी उन सभी ने स्थिति को देखते हुए इसे रद्द कर दिया है। हालांकि, लोगों का नेपाल से दिल्ली आना लगा हुआ है। यह संकट पर्यटकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कारोबारी भी ग्रस्त है। दिल्ली के कई कारोबारियों का करोड़ों का सामान नेपाल के रास्ते में फंसा हुआ है, कुछ सामान नेपाल पहुंच गया है, जिसमें उनका पैसा लगा हुआ है और कुछ ऑर्डर यहां तैयार पड़े है। हालांकि, नेपाल के बिगड़ते हालात को देखते हुए व्यापारियों को काफी नुकसान पहुंचा है।

**बोले व्यापारी :** सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि सदर बाजार सहित पुरानी

दिल्ली से नेपाल में काफी मात्रा में सामान जाता है। उन्होंने बताया कि यह बाजार नेपाल सहित अन्य देशों में भी अपने उत्पादों का निर्यात करता है। उन्होंने बताया कि सदर बाजार में गृहस्थी की विभिन्न वस्तुओं की थोक बिक्री होती है। ऐसे में यहां से बर्तन, क्रॉकरी, आकर्षक ज्वैलरी, खिलौने, स्टेशनरी, टेलरिंग मैटेरियल, गारमेंट्स, क्रोकरी, शूज, चप्पल और अन्य उपहार की वस्तुएं काफी तादाद में नेपाल भेजी जाती हैं।

**रास्ते बंद, बस-फ्लाइट पर संकट**

दिल्ली से काठमांडू के लिए यातायात के साधन सीमित हो चुके हैं। नेपाल जाने के लिए फ्लाइट और बस दो मुख्य साधन है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक एयर इंडिया, इंडिगो और अन्य एयरलाइंस की डायरेक्ट फ्लाइट्स चलती हैं, जो 1.5 घंटे में पहुंचा देती हैं। लेकिन आंदोलन से एयरपोर्ट बंद होने के कारण सभी फ्लाइट्स कैंसिल हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)